माघ शुक्ल पक्ष-10, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07, अंक - 245 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
19 फरवरी 2024 सोमवार

आज का मौसम
29 अधिकतम
17 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

कैबिनेट बैठक

गौशालाओं के लिए राशि व मानदेय वृद्धि होगी

एक महीने में गायों को सड़कों से गौशाला पहुंचाने की राह निकालेगी सरकार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र सरकार अक्सर वर्षा काल में प्रमुख सड़कों और राजमार्गो पर गायों के बैठे रहने की घटनाएं रोकने व गौवंश को गोशालाओं में रखने वाली संस्थाओं के लिये मानदेय राशि बढाने की तैयारी में है। आज राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि गौमाता सड़कों पर दुर्घटनाओं का शिकार भी हो जाती हैं। लिहाजा ऐसी व्यवस्था आवश्यक है कि गौमाता सड़कों पर न दिखे। इसके लिए गौशालाओं के लिए राशि और मानदेय वृद्धि का निर्णय तथा श्रेष्ठ प्रबंधन के लिये व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएगी। यदि गौमाता मृत्यु का शिकार होती है तो उनके सम्मानजनक दाह संस्कार की व्यवस्था भी होगी। उन्होंने कहा कि गौमाता के अवशेष कहीं अपमानित न हों इसके लिए समाधि अथवा अन्य व्यवस्थाओं पर गंभीरता से ध्यान दिया जाएगा। इस दौरान पशु पालन मंत्री लखन पटेल ने कहा कि वे शीघ्र ही गौशाला संचालकों को बैठक में आमंत्रित कर सुझाव प्राप्त करेंगे। महापौर और अन्य जनप्रतिनिधि भी इस बैठक में शामिल किए जाएंगे। इससे पहले कैबिनेट ने आचार्य विद्यासागरजी के संलेखना समाधि पर 2 मिनट का मौन धारण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

फर्क है ज्योतिरादित्य और 'नाथ' के कमल में

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

पल भर पहले जब कमलनाथ के भाजपा का दामन थामने की अटकलें शुरू हुई, तभी से उन पर यकीन नहीं हो रहा है। उस की कई वजहें हैं। नाथ के कमल को थामने और 'हाथ' का साथ छोडने में सियासी कम व्यापारिक कारण ज्यादा नजर आ रहे हैं। यह बात कतई गले नहीं उतरती की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भाजपा के आंकड़े को 370 पार ले जाने में कमलनाथ की मदद लगेगी। कांग्रेस से ज्योतिराजित्य सिंधिया और कमलनाथ के भापा में आने का फर्क साफ समझ में आता है। यह बिल्कुल एसेट और लायबिलिटी के (धरोहर और बोझ) के सिद्धांत की तरह नजर आती है।

जहां तक मध्यप्रदेश के सियासी पहलुओं का सवाल है तो बीते लोकसभा चुनाव में कमलनाथ अपने पुत्र नकुलनाथ को 35 हजार वोटों से तब जिता पाए थे बकि वह खुद प्रदेश के मुख्यमंत्री थे। 2023 के चुनाव में छिंदवाड़ा की सभी सात सीटें भी वह तभी जीते थे, जबकि वहां को लोगों को लग रहा था कि मध्यप्रदेश विधानसभा में बहुमत कांग्रेस का आ रहा है और वहां के लोग कमलनाथ को एक बार फिर मुख्यमंत्री के रूप में देखेंगे। लेकिन आज के हालात में जमीन आसमान का अंतर आ चुका है। प्रदेश को मुख्यमंत्री नहीं प्रधानमंत्री चुनना है। राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद देश में अलग सनातनी भाव है। कांग्रेस लगातार अप्रसांगिक हो रही है। टूट रही है। यही नहीं कांग्रेस ने जिस इंडी गठबंधन के सहारे सत्ता में वापसी के सपने बुने थे, वे तार-तार हो रहे हैं। मध्यप्रदेश में तो भाजपा को पिछले चुनाव में मिली 28 सीटों में से मात्र एक यानि छिंदवाड़ा को ही बढ़ाना है। राजनीतिक पंडित यह भी दावा करते हैं कि छिंदवाड़ा के अलावा मंडला और रतलाम-झाबुआ भी भाजपा के लिए चुनौती है लेकिन ताजा माहौल में उनके हालात भाजपा के ही पक्ष में हैं। फिर भला केवल छिंदवाड़ा के लिए भाजपा या मोदी क्यों दांव लगाएंगे? छिंदवाड़ा भी राम लहर में भाजपा के पास जाकर सिमट जाएगी क्योंकि नकुलनाथ कांग्रेस टिकट पर खुद चुनाव लडने का ऐलान कर चुके हैं। अब बात रही कमलनाथ की तो वह विधायक हैं। बाहरी तौर पर भले ही कहा जा रहा है कि राज्यसभा की मप्र कोटे की इकलौती सीट पर से चुनाव लडने के लिए इच्छुक कतई नहीं थे। उन्होंने खुद ग्वालियर के कारोबारी कांग्रेसी नेता अशोक सिंह का नाम प्रस्तावित किया था। लेकिन हकीकत सब जानते हैं कि ग्वालियर में अशोक सिंह को कमलनाथ का नहीं बल्कि दिग्विजय सिंह का खांटी समर्थक माना जाता है?

प्रकारांतर से देखा जाए तो जीतू पटवारी की उनकी इच्छा के बगैर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष तथा नेता प्रतिपक्ष के बतौर उमंग सिंघार को बनाए जाने के बाद कमलनाथ प्रदेश की राजनीति से तौबा करना चाहते हैं। कांग्रेस के युवा तुर्क राहुल गांधी तो कमलनाथ को शुरू से ही पसंद नहीं करते लेकिन उनकी एकमात्र हितैषी सोनिया गांधी भी न मप्र या किसी और प्रदेश से राज्यसभा में उनको भेजने के लिए राजी हुई। इंदिरा गांधी के तीसरे पुत्र कहे जाने वाले कमलनाथ के लिए कांग्रेस में अपने 40 साल के सियासी जीवन के यह सर्वाधिक संक्रमण भरा काल कहा जा सकता है। कांग्रेस में उनको नापसंद करने वाले उनको इन नाथ की भाजपा में चलती अटकलों को हवा दी। भाजपा ने भी इसलिए उसको हवा दी क्योंकि कांग्रेस के घमासान से अंततः सियासी फायदा भाजपा को ही मिलना है। भाजपा को पता है कि मोदी और नाथ के मित्र उद्योगपति गौतम अडानी से सहारे कमलनाथ अपने बेटे की लोकसभा में भाजपा टिकट पर नैया पार लगवा सकते हैं लेकिन यह सिलसिला कब तक चलेगा? ज्यादा से ज्यादा एक चुनाव। क्योंकि नकुलनाथ में वह राजनीतिक कलेवर है ही नहीं जो उन्हें प्रदेश की राजनीति में स्थापित करवा सके व लगातार जितवा सके।

फर्क ज्योतिरात्यि और नाथ के कमल थामने का: कांग्रेस छोडकर भाजपा का दामन थामने में ज्योतिराजित्य सिंधिया और कमलनाथ का फर्क साफ समझा जा सकता है। सिंधिया का भाजपा में जाना ज्यादा अस्वाभाविक इसलिए नहीं लगा क्योंकि उनकी राजनीतिक पृष्ठभूमि जनसंघ और भाजपा की है। उनकी दादी ने कांग्रेस का परित्याग करके जनसंघ और भाजपा को खड़ा करने में बड़ा योगदान दिया। उनकी एक बुआ बसुंधरा राजे राजस्थान की कई मर्तबा मुख्यमंत्री रह चुकी हैं तो उनकी दूसरी बुआ मप्र में मंत्री रह चुकी हैं। उनके पिता स्व. माधवराव सिंधिया स्वंय जनसंघी पृष्ठभूमि से जुड़े थे और कांग्रेस में आने के पहले निर्दलीय सांसद भी रह चुके थे। इसे विपरीत कमलनाथ की पूरी राजनीति संजय गांधी से मित्रता के चलते कांग्रेस की बुनियाद पर खड़ी हुई है। वह कांग्रेस के उन गिने चुने नेताओं में शुमार होंगे जिनके ड्राइंग रूम में आज भी संजय गांधी के साथ उनके फोटो लगे हैं। जाहिर है कि नाथ के सामने 'हाथ' के सिवाए कुछ और नहीं है। यानि सारी राजनीति प्रेशर पालिटक्सि का हिस्सा कहा जा सकता है। भाजपा ने सिंधिया समर्थकों को तो एडजस्ट तक लिया लेकिन कांग्रेस के कुनबे को मध्यप्रदेश जैसे राज्य में संभालना मुश्किल ही होगा। प्रकारांतर से देखें तो नाथ के कमल को थामने से भाजपा की समस्या बढ़ेंगीं और उनके कांग्रेस में ही बने रहने से उस युवा टोली की मुसीबतें खड़ी होंगीं जिसे राहुल गांधी ने विधानसभा चुनाव में शर्मनाक प्रदर्शन के बाद मध्यप्रदेश में खड़ा किया है। लिहाजा यह सारा उपक्रम दवाब की राजनीति के प्रहसन वाला दिख रहा है।

नाथ के घर से जय श्रीराम का झंडा सुबह हटा, दोपहर में फिर लगा

विधायकों संग बैठक, कल कांग्रेस प्रभारी की विधायकों से वन-टू-वन

भोपाल। कांग्रेस नेता कमलनाथ के भाजपा में जाने की तथ्य-कथ्य तैयारियों के बीच मप्र कांग्रेस ने भी अपने बाड़ा मजबूत करने का काम शुरू कर दिया है। कल मप्र के प्रभारी महासचिव भंवर जितेंद्र सिंह भोपाल में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं,विधायकों से अलग अलग चर्चा करेंगे। हालांकि इसका कारण जाहिर तौर पर तो राहुल गांध की न्याय यात्रा का इस सप्ताह मप्र में दाखिल होना बताया गया है,लेकिन सूत्रों का कहना है कि कमलनाथ के रोज बदलते पैंतरों के चलते हाइकमान इसलिये ज्यादा सतर्क है क्योंकि शुरूआती चरण में कमलनाथ के सांसद पुत्र नकुलनाथ के भाजपा में शामिल होने की अटकलें तेज हैं और उनके साथ कुछ कांग्रेस विधायकों के भी पार्टी छोड़ने की संभावना हैं। करीब दर्जनभर अभी दिल्ली में जमे हैं। आज दिल्ली में नाथ ने सभी समर्थकों के साथ बैठक की। मगर कल तक उनके घर लगा जय श्रीराम का झंडा आज सुबह नहीं नजर आया मगर दोपहर में फिर लग गया।

जानकार सूत्रों का कहना है कि प्रदेश प्रभारी भंवर जितेंद्र सिंह कल सुबह से शाम तक भोपाल कार्यालय में बैठकर मप्र के विधायकों, चुनाव लड़ चुके नेताओं से बात करेंगे। यह बात वन टू वन होगी। इसमें विधायकों का मन टटोलने का भी प्रयास होगा। प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी भी विधायकों के संपर्क में है। कोशिश है कि यदि नाथ परिवार से कोई 'झटका' मिलता भी है तो विधायकों को रोका जाए।

सरकार से मिली राहत, उछाल भरने लगे पेटीएम के शेयर

नई दिल्ली एजेंसी। फिनटेक फर्म पेटीएम के शेयर सप्ताह के पहले कारोबारी दिन बदले-बदले अंदाज में नजर आ रहे हैं। शेयर बाजार में कारोबार शुरू होने के साथ ही इसमें अपर सर्किट लग गया और ये 5 फीसदी उछलकर 358.35 रुपये के लेवल पर पहुंच गया। उछाल के साथ ही पेटीएम के पेरेंट कंपनी वन 97 कम्युनिकेशन का मार्केट कैपिटलाइजेशन भी बढ़ गया। जबकि बीते दिनों यह गिरावट के चलते 8.58 फीसदी तक टूट गया था। अब कंपनी के मार्केट कैपिटलाइजेशन (Paytm Market Cap) भी उछलकर 22760 करोड़ रुपये के लेवल पर आ गया है। कंपनी के शेयरों में आई इस तूफानी तेजी के पीछे दो वजहे हैं। रिजर्व बैंक ने पेटीएम की बैंकिंग शाखा पर बैन की डेडलाइन को 29 फरवरी से बढाकर 15 मार्च कर दिया है और यह भी कहा है कि इसके बाद भी ग्राहक, वॉलेट, अकाउंट, फास्टटैग समेत अन्य पेटीएम बैकिंग सर्विसेज का इस्तेमाल कर सकेंगे।

हेनले इंडेक्स पासपोर्ट में फ्रांस शीर्ष पर, भारत 85वें स्थान पर

नईदिल्ली, एजेंसी। हेनले पासपोर्ट इंडेक्स में भारत ने इस साल पिछले साल से खराब प्रदर्शन किया है और भारतीय पासपोर्ट एक स्थान नीचे फिसलकर 85वें स्थान पर आ गया है. किसी देश का पासपोर्ट कितना मजबूत है, हेनले इंडेक्स में इसका निर्धारण वीजा फ्री एक्सेस से किया जाता है. यानी जिस देश के पासपोर्ट का इस्तेमाल कर सबसे अधिक देशों में बिना वीजा यात्रा की जा सकती है, वो पासपोर्ट सबसे मजबूत होता है. इंडेक्स में फ्रांस शीर्ष पर रहा है. फ्रांस के साथ-साथ जर्मनी, इटली, जापान, सिंगापुर और स्पेन शीर्ष स्थान पर हैं. हेनले पासपोर्ट रैंकिंग में 193 वीजा फ्री डेस्टिनेशन के साथ दूसरे स्थान पर फिनलैंड, दक्षिण कोरिया और स्वीडन हैं. तीसरे स्थान पर 192 वीजा फ्री डेस्टिनेशन के साथ ऑस्ट्रिया है।

संदेशखाली मामला: सुप्रीम कोर्ट ने चार सप्ताह में जवाब मांगा

कोलकाता, एजेंसी।

पश्चिम बंगाल में संदेशखाली मामले को लेकर सियासी जंग के बीच आज संदेशखाली के मामले पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। अदालत ने कहा कि इस मामले में उन्हें 4 हफ्तों के अंदर जवाब चाहिए। कोर्ट ने लोकसभा सचिवालय को भी नोटिस जारी किया और कहा कि अगली सुनवाई तक सम्मन और कार्यवाही रुकी रहनी चाहिए। आज राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा संदेशखाली पहुंच रही हैं। संदेशखाली मामले पर लोकसभा के विशेषाधिकार पैनल ने चीफ सेक्रेट्री और अन्य शीर्ष पुलिसकर्मियों को पेश होने के लिए कहा था, लेकिन वे आज पेश नहीं हुए। उधर सियासी बवाल जारी है,बंगाल की पूरी सियासत अभी इस मुद्दे के ईर्दगिर्द भटक रही है. यहां महिलाओं ने जो आरोप लगाए हैं, वो बेहद संगीन और शर्मनाक हैं। इनकी अलग-अलग जांच बिठाई जा चुकी है, लेकिन आरोपियों का सुराग नहीं मिला है। आरोप लगाने वाली एक महिला ने बताया कि टीएमसी के लोग गांव में घर-घर जाकर चेक करते हैं और इस दौरान अगर घर में कोई सुंदर महिला या लड़की दिखती है तो टीएमसी नेता शाहजहां शेख के लोग उसे अगवा कर ले जाते थे और फिर उसे पूरी रात अपने साथ पार्टी दफ्तर यहां अन्य जगह पर रखा जाता और यौन उत्पीड़न करने के बाद उसके घर या घर के सामने छोड़ जाते थे।

केंद्र चार और फसलों पर एमएसपी देने को तैयार, किसान अध्यादेश पर अड़े

नई दिल्ली, एजेंसी।

फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी के मुद्दे पर किसान नेताओं और तीन केंद्रीय मंत्रियों के बीच हुई चौथे दौर की बैठक में केंद्र सरकार चार और फसलों पर एमएसपी देने को तैयार हो गई। केंद्र सरकार की ओर से धान और गेहूं के अलावा मसूर, उड़द, मक्की और कपास की फसल पर भी एमएसपी देने का प्रस्ताव पेश किया गया, लेकिन इसके लिए किसानों को भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नैफेड) और भारतीय कपास निगम (सीसीआई) से पांच साल का करार करना होगा। केंद्र के इस प्रस्ताव पर बैठक में मौजूद किसान नेताओं ने कहा कि वह सभी संगठनों से बात कर सोमवार को इस पर अंतिम फैसला बताएंगे।

दिल्ली का दूध बंद करने की तैयारी

इस बैठक के बाद सर्वखाप पंचायत के समन्वयक डॉ. ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि यदि सरकार नहीं मानी तो आंदोलन कड़े रूप में चलाया जाएगा। इसमें दिल्ली का दूध से लेकर सब्जी तक सब बंद कर दिया जाएगा। वे लगातार सभी प्रदेशों की खापों के साथ संपर्क में हैं और सभी जगह कॉल दी जाएगी। वहीं आंदोलन में शामिल होने निहंग सिंहों का जत्था भी पहुंच गया है।

मेट्रो एंकर

कल्कि धाम मंदिर का मोदी ने किया शिलान्यास, कांग्रेस से बर्खास्त प्रमोद कृष्णम हैं मंदिर प्रमुख

संभल का पौराणिक महत्व व राजनीतिक रहस्य!

लखनऊ, एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज संभल में कल्कि धाम मंदिर का शिलान्यास किया। वह मंदिर कई संदर्भो में खास हो गया है, क्योंकि कांग्रेस नेता रहे आचार्य प्रमोद कृष्णम इस मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष हैं और मुखर बयानों तथा पीएम मोदी को इसके शिलान्यास के लिये बुलाया तो कांग्रेस ने उन्हें निकाल दिया है। बताया जाता है कि इस मंदिर को सफेद और भगवा रंग से सजाया गया है। अयोध्या के भव्य राम मंदिर निर्माण के बाद यह मंदिर सबसे ज्यादा चर्चा में है, मगर संभल और यहां बनने वाले कल्कि धाम मंदिर का मौजूदा राजनीतिक संदर्भो से परे एक पौराणिक महत्व व अलग रहस्य भी है। यह मंदिर विष्णु के 10वें और आखिरी अवतार कल्कि को समर्पित है। सनातन धर्म में मान्यता है कि कलयुग के अंत में विष्णु भगवान कल्कि प्रकट होंगे। इस लिहाज से यह मंदिर दुनिया भर में अनोखा है क्योंकि जिस अवतार के लिए मंदिर बन रहा है अभी वह प्रकट ही नहीं हुआ है।

ऐसे अच्छे काम लोग मेरे लिए छोड़ गए:मोदी

कल्कि धाम मंदिर शिलान्यास के बाद पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि आज यूपी की धरती से भक्ति, भाव और अध्यात्म की एक और धारा प्रवाहित होने को लालायित है. आज पूज्य संतों की साधना और जनमानस की भावना से एक और पवित्र धाम की नींव रखी जा रही है. मुझे विश्वास है कि कल्कि धाम भारतीय आस्था के एक और विराट केंद्र के रूप में उभरकर सामने आएगा। कई ऐसे अच्छे काम हैं, जो कुछ लोग मेरे लिए ही छोड़ कर चले गए हैं. आगे भी जितने अच्छे काम रह गए हैं, उनको भी संतों और जनता-जनार्दन के आशीर्वाद से हम पूरा करेंगे।

अयोध्या के राम मंदिर वाला पत्थर लगेगा

खबरों के मुताबिक इस मंदिर में 10 गर्भगृह होंगे, इन दसों गर्भगृहों में अलग-अलग दस अवतार स्थापित हुए। इस मंदिर की सबसे बड़ी खूबी यह है कि इस मंदिर का निर्माण उसी गुलाबी पत्थर से किया जा रहा है जो अयोध्या के राम मंदिर और सोमनाथ मंदिर में इस्तेमाल हुआ है। इस मंदिर में भी स्टील या लोहे का इस्तेमाल नहीं होगा। यह मंदिर 5 एकड़ में बनेगा। इसे बनने में 5 साल लगेंगे। मंदिर के पास स्थित कल्कि पीठ में एक सफेद रंग के घोड़े की भी मूर्ति है। हिंदू धर्मशास्त्रों में कहा गया है कि कल्कि अवतार को भगवान शिव देवदत्त नाम का एक सफेद घोड़ा देंगे। इस सफेद घोड़े की मूर्ति के तीन पैर जमीन पर हैं और चौथा हवा में उठा है। लोगों का कहना है कि यह पैर धीरे-धीरे नीचे झुक रहा है।

क्यों आ रहे भगवान कल्कि?

सवाल उठता है कि आखिर कल्कि के रूप में भगवान विष्णु क्यों अवतार लेंगे। इस पर धर्म शास्त्रों में कहा गया है कि जब कलियुग अपने चरम पर होगा। पाप और अन्याय बहुत अधिक बढ़ जाएंगे तब उनके नाश के लिए कल्कि अवतार लेंगे। इस मंदिर की स्थापना के बारे में आचार्य प्रमोद कृष्णम ने करीब 18 साल पहले संकल्प लिया था। उन्होंने कहा था कि जहां भगवान कल्कि अवतार लेंगे वहां कल्कि धाम मंदिर बनाया जाएगा।

छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती

भोपाल। मराठा वीर शिरोमणि छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती राजधानी के शिवाजी चौराहा लिंक रोड नंबर एक पर मनाई गई। राजधानी में अलग-अलग स्थानों पर कई कार्यक्रम हुए।

पॉलिटेक्निक चौराहे से हटाया कॉरिडोर

भोपाल। शहर के बीचोंबीच 10 वर्ष पहले बनाए गए 24 किलोमीटर के बीआरटीएस कॉरिडोर को हटाने का काम शुरू हो गया है। इसके हटते ही शहर की तस्वीर बदल जाएगी। जिसमें लगभग तीन महीने का समय लगेगा। सोमवार को पॉलिटेक्निक चौराहे के सामने का कॉरिडोर की रैलिंग हटाई गई।

16 से 18 फरवरी तक गिने गए गिद्ध

गिद्धों की गणना का काम पूरा, अब साक्ष्यों का मिलान होगा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

गिद्धों की गणना का काम मप्र में पूरा हो गया है। अब गणना में मिले गिद्धों से जुड़े साक्ष्यों का मिलान होगा। उनकी विश्वसनीयता परखी जाएगी। इस आधार पर संख्या तय होगी। यह गणना 16 से 18 फरवरी तक की गई। जिसमें 73 वन मंडलों के 1500 से अधिक वन कर्मियों ने हिस्सा लिया। इस वर्ष गिद्धों की संख्या बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। उल्लेखनीय है कि अभी तक मप्र में 9440 से अधिक गिद्धों की पहचान हुई है। यह संख्या दूसरे राज्यों की तुलना में काफी अधिक है। मप्र में इनके लिए बेहतर अनुकूल रहवास स्थानों ने इनके संरक्षण को गति दी है। सभी वन मंडलों में गिद्धों को लेकर काफी काम हुआ है। साथ ही जन जागरुकता भी बढ़ी है इसलिए दूसरे राज्यों की तुलना में मप्र में इनकी संख्या बढ़ती जा रही है। वहीं छत्तीसगढ़, उत्तरप्रदेश, हिमाचल प्रदेश, असम जैसे दूसरे राज्यों में इतने गिद्ध नहीं है। यहां गिद्धों के लिए नए सिरे से प्रयास जरुर किए जा रहे हैं लेकिन इनकी संख्या कम है।

इन वन्यप्राणियों की संख्या में भी मप्र अव्वल

बाघ

प्रदेश के पास 785 बाघ है, जो कि सभी राज्यों की तुलना में सबसे अधिक है। इनका कुनबा लगातार बढ़ता ही जा रहा है।

तेंदुए

इनकी अलग से गिनती तो नहीं होती लेकिन वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि इनकी संख्या 1200 से 1500 के आसपास है।

नीलगाय

प्रदेश में हजारों की संख्या में नीलगाय है। सरकार खुद इनसे परेशान है, क्योंकि ये बड़े पैमाने पर फसलों को नुकसान पहुंच रहे हैं।

बारहसिंगा

हार्ड ग्राउंड प्रजाति के बारहसिंगा अकेले भारत में ही है और भारत में भी ये मप्र के पास ही है। ये कान्हा और सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में मिलते हैं।

14 जून को परिणाम होगा घोषित

मेडिकल, डेंटल, आयुष यूजी नीट परीक्षा पांच मई को

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी यानी नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के माध्यम से प्रदेश समेत देशभर के 1790 से ज्यादा मेडिकल, डेंटल, आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी आयुष कॉलेजों में दो लाख नौ हजार से ज्यादा यूजी सीटों में प्रवेश हेतु राष्ट्रीय स्तर पर नेशनल एलिजिबिलिटी कम इंट्रेंस टेस्ट नीट परीक्षा 5 मई को देशभर में एक साथ एक ही दिन आयोजित होगी। इसका परिणाम 14 जून को घोषित होगा। आयुष मेडिकल एसोसिएशन के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ राकेश पाण्डेय ने बताया कि बिहार में 4000 से ज्यादा, मध्यप्रदेश में 8500 से ज्यादा समेत देशभर में इस परीक्षा के माध्यम से 209700 यूजी सीटें जिनमें 125000 एमबीबीएस, 26949 बीडीएस, 55000 आयुष व 2751 अन्य यूजी सीटों पर सत्र 2024-25 में प्रवेश होने हैं। छात्र 9 मार्च रात्रि 9 बजे तक आवेदन कर सकते हैं। संभावना है कि नीट 2024 की परीक्षा में 22 लाख परीक्षार्थी शामिल होंगे। परीक्षा असमिया, बंगाली, गुजराती, इंग्लिश, हिन्दी, कन्नड़, मलयालम, मराठी, उड़िया, पंजाबी, तमिल, तेलगू व उर्दू समेत 13 भाषाओं में होगी।

पटवारी भर्ती परीक्षा-2022

24 फरवरी को आवंटित जिले में की जाएगी काउंसलिंग

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पटवारी भर्ती परीक्षा-2022 का परिणाम कर्मचारी चयन मंडल द्वारा जारी कर दिया गया है। इस परीक्षा के संबंध में चयनित अभ्यर्थियों की काउंसलिंग अभ्यर्थी को आवंटित जिले में 24 फरवरी को आयोजित की जाएगी। परीक्षा परिणाम के संबंध में अभ्यर्थियों को पृथक से एसएमएस, ई-मेल, द्वारा भी सूचित किया जा रहा है। चयनित अभ्यर्थियों को अपने मूल दस्तावेज दो स्व-प्रमाणित प्रतियों के साथ निर्धारित समय पर काउंसलिंग स्थल पर पहुंचना होगा।

सीबीएसई की दसवीं-बारहवीं के मुख्य विषयों की परीक्षाएं आज से शुरू

10वीं का संस्कृत, 12वीं के विद्यार्थियों का हुआ हिंदी इलेक्टिव और हिंदी कोर का पेपर

भोपाल। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की दसवीं-बारहवीं की परीक्षाएं वैसे तो 15 फरवरी से शुरू हो गई हैं, लेकिन मुख्य विषयों की परीक्षा सोमवार से शुरू हो रही है। दसवीं के विद्यार्थियों कीजहां आज संस्कृत विषय की परीक्षा आयोजित की जा रही है, वहीं दूसरी तरफ 12वीं के विद्यार्थियों का पहला पेपर हिंदी इलेक्टिव और हिंदी कोर का है। परीक्षा में शामिल होने के लिए विद्यार्थी सुबह एक

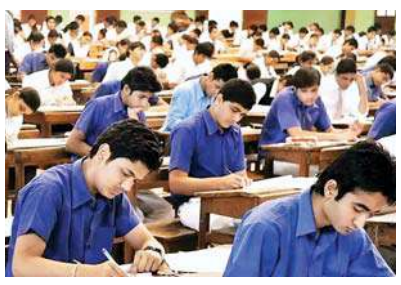

घंटे पहले परीक्षा केंद्रो पर पहुंचे, जहां जांच के बाद विद्यार्थियों को प्रवेश दिया गया। परीक्षा का समय सुबह 10.30 बजे से और दोपहर 1.30 बजे रहा।

एमपी बोर्ड: दसवीं के विद्यार्थियों ने दिया अंग्रेजी का पेपर

इधर माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) की कक्षा दसवीं-बारहवीं की परीक्षाएं जारी हैं। सोमवार को दसवीं के विद्यार्थियों का अंग्रेजी का पेपर हुआ। परीक्षा केंद्रो पर नकल की रोकथाम के लिए सीसीटीवी कैमरे, स्टाफ ब?ैत्तरी के साथ निरीक्षण टीमों में भी इजाफा किया गया है। इस बार दसवीं-बारहवीं की परीक्षाओं में प्रदेशभर से करीब 16.80 लाख विद्यार्थी शामिल हो रहे हैं। हाईस्कूल परीक्षा के लिए प्रदेश में 3,866 एवं हायर सेकेंडरी के लिए 3,637 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। राजधानी भोपाल के 106 परीक्षा केंद्रों पर बोर्ड परीक्षाएं आयोजित की जा रही है।

परिचय सम्मेलन

भोपाल। बिट्ठल मार्केट में सर्व ब्राह्मण समाज का युवक-युवती परिचय सम्मेलन में परिचय देती हुई युवतियां।

मेट्रो एंकर | प्रांतीय सिंधी पंचायत के फैसलों की जानकारी दी लाल ने

हर जिले में सिंधी पंचायत शाखाओं को गठन करेगी, जोन बनाकर महासचिव करेगी तैनात

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

प्रांतीय सिंधी महापंचायत की प्रदेश के हर जिले में शाखाएं गठित करेगी। साथ ही प्रदेश को पूर्व, पश्चिम, उत्तर व दक्षिण चार जोन में बांटकर हर जोन का एक एक महासचिव मनोनीत करेगी। जिला शाखाओं एवं जोन

प्रभारियों के माध्यम से उस क्षेत्र के सिंधियों की समस्याओं को सरकार तक पहुंचाकर उनके निराकरण की मांग की जाएगी। महापंचायत के प्रदेश अध्यक्ष नितेश लाल ने यह बात कही है। पंचायत का होगा विस्तार लाल ने बताया कि वर्तमान में प्रांतीय सिंधी महापंचायत ने प्रत्येक शहर में पहले से संचालित सिंधी पंचायतों को ही मान्यता दे रखी है लेकिन अब जिले में सक्रिय पंचायतों के सहयोग से जिला शाखओं का गठन किया जाएगा, और स्थानीय स्तर पर मनोनीत अध्यक्ष को शेश पदाधिकारियों के चयन का जिम्मा सौंपा जाएगा। इसके लिए जल्द ही पंचायत के प्रांतीय पदाधिकारी प्रत्येक जिले का दौरा करेंगे और वहां के सक्रिय, युवा तथा साफ सुथरी छवि वाले व्यक्तियों के मुलाकात कर जिला शाखओं के गठन पर चर्चा करेंगे।

भोपाल में होगा बड़ा सम्मेलन

नितेश लाल ने बताया कि जल्द ही भोपाल में प्रांतीय सिंधी महापंचायत का प्रांतीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा जिसमें प्रदेशभर के सक्रिय सिंधी समाज सेवियों, गणमान्य नागरिकों, युवाओं एवं विभिन्न राजनीतिक दलों के सिंधी भाशी नेताओं को आमंत्रित किया जाएगा। इस सम्मेलन में प्रदेश के मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव के अलावा इंदौर के सांसद शंकर लालवानी, जबलपुर एवं भोपाल के सिंधी भाशी विधायक अशोक रोहाणी तथा भगवनदास सबनानी को भी आमंत्रित किया जाएगा।

नहीं हुआ समस्याओं का निराकरण

बैठक में पंचायत पदाधिकारियों ने प्रदेश सरकार द्वारा सिंधी परिवारों बुरहानपुर एवं दमोह के अलावा संत हिरदाराम आदि इलाकों में प्रदेश शासन पुर्नवास एवं राजस्व विभाग के समय समय पर जारी स्पश्ट निर्देशों एवं आदेशों के बावजूद प्रापर्टी के मालिकाना हक, लीज नवीनीकरण, कन्वयेन्स डीड के नामांतरण आदि मामलों का निराकरण नहीं करने पर गहरा क्षोभ व्यक्त किया गया और तय किया गया कि इसके लिए जल्द ही प्रतिनिधि मण्डल प्रदेश के मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव से मुलाकात कर सिंधियों की परेशानी से अवगत कराएगा।

शिवराज की घोशणाओं पर अमल नहीं

नितेश लाल ने बताया कि सिंधी विस्थापितों के पट्ट, लीन जनवीनीकरण कन्वेयन्स डीड नामातरण संबंधी मामलों का निराकरण करने के लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने कार्यकाल में 28 अप्रैल 2011 को संत हिरदाराम नगर के नव युवक सभा भवन में, 14 अप्रैल 2013 सीएम हाऊस, 9 फरवरी 2015 को गांधीनगर में, 12 अप्रैल 2.015 को फिर मुख्यमंत्री निवास पर 27 नवम्बर 2016 को न्यू मार्केट स्थित समन्वय भवन में एवं 20 दिसम्बर 2016 को लाल परेड ग्राऊंड के अलावां 31 मार्च 2023 को भेल भोपाल के दशहरा मैदान पर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के समक्ष पट्टा समस्या निराकरण की घोशणा कर चुके हैं जिसे अधिकारियों ने कोई तवज्जो नहीं दी है। इससे प्रदेश का सिंधी समाज बुरी तरह से आहत है।

लाइफ लाइन का वार्षिकोत्सव उत्सव उमंग धूम-धाम से सम्पन्न

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

लाइफ लाइन स्कूल का वार्षिक उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में भाजपा जिला उपाध्यक्ष राम बसंल तथा अध्यक्ष साबूमल रीझवानी ने की विशेष अतिथि के रुप में कमलेश रायचंदानी ओर कमल भंडारी पास्ट डिस्ट. गवर्नर और अशोक छाबडिया, सिंधी साहित्यकार उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत संत जी के ओर मां सरस्वती की छाया चित्र पर मालार्पण के साथ हुई सभी अतिथियों का स्वागत शाल श्रीफल ओर माला पहनकर हितेश ओर लोकेश वाधवानी ने किया, संचालिका किरण वाधवानी ने स्वागत भाषण दिया। रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ जिसमे विधार्थियो ने पंजाबी नृत्य, नाचो नाचो, छोटा बच्चा समझके, लकडी की काठी, बम बम भोले, केसरी के लाल ओर कराटे डांस शो प्रस्तुत किया यहा पर बेस्ट टीचर्स अवार्ड छाया मालवीय ओर गौरव सेन को मिला अटेंडेंस अवार्ड विधार्थियो को दिया। अंतिम वर्ष बोर्ड परीक्षा में उच्च अंक प्राप्त करने पर नवीन मेवाडा ओर हर्षिता विश्वकर्मा को भी अवार्ड दिया गया।

मध्यप्रदेश शासन

सकल भारतीय जनमानस के राष्ट्रीय नायक, हृदय सम्राट

छत्रपति शिवाजी महाराज

की 394वीं जयंती पर मध्यप्रदेश का

कोटि-कोटि नमन

19 फरवरी, 2024

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

"मातृभूमि के स्वाभिमान की रक्षा के लिए सर्वस्व न्योछावर करने वाले
धर्म रक्षक छत्रपति शिवाजी महाराज की
गौरव गाथा को यह देश सदा याद रखेगा।
आज उनकी जयंती पर हम उन्हें कोटि-कोटि नमन करते हैं।"

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री

D-11209/23

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

मध्यप्रदेश शासन

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2024

सुविचार

`` समय बहाकर ले जाता है
नाम और निशां
कोई `हम' में रह जाता है
तो कोई `अहम' में ''

-अज्ञात

संपादकीय

महंगाई का जिन्न

महंगाई एक ऐसा जिन्न है जो बोतल के भीतर नहीं जा पा रहा है। जबकि इसके प्रयास हरस्तर पर होते रहे हैं। इसीलिये हाल में जब भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर ने कहा कि देश में ब?ती कीमतों और वैश्विक तनाव के कारण महंगाई पर काबू पाना मुश्किल बना हुआ है,तो लगता है कि यह जिन्न फिलहाल लोगों को और सताता रहेगा। गनर्वनर शक्तिकांत दास ने यह भी माना है कि महंगाई पर काबू पाए बिना अर्थव्यवस्था में स्थायित्व ला पाना कठिन बना रहेगा। उनकी बातों को सिरे से खारिज नहीं किया जाना चाहिये। अर्थव्यवस्था में स्थायित्व लाने की कोशिशें लंबे समय से चल रही हैं और रिजर्व बैंक का मानना है कि अगर महंगाई को पांच फीसद की सहनशीलता सीमा तक नियंत्रित कर लिया जाए, तो इस दिशा में कामयाबी मिल सकती है। मगर एक अजीब तरह का असंतुलन बन गया है। विकास दर के सात फीसद रहने का अनुमान व्यक्त किया जा रहा है, मगर लोगों की क्रयशक्ति नहीं ब? पा रही है तो इसकी सीधी वजह यही है कि प्रति व्यक्ति आय घटी है। वैसे भी इन दिनों जिस तरह पूरी दुनिया मंदी का सामना कर रही है और युद्धों की वजह से आपूर्ति शृंखलाएं बाधित हो गई हैं, उसमें कई चीजों की कीमतें बढ़ गई हैं। इससे निपटने के लिए रिजर्व बैंक ने अपनी रेपो दरों को काफी समय से यथावत रखा है। पहले छह बार इन दरों में बढ़ोतरी कर महंगाई पर काबू पाने का प्रयास किया गया, मगर अभी वे जिस स्तर पर हैं, उससे बहुत सारे घर, वाहन, कारोबार आदि के लिए कर्ज ले चुके लोगों पर मासिक किस्तों का बोझ ब? गया है। हालांकि दुनिया के कई बैंकों ने अपनी ब्याज दरों में बढ़ोतरी की है, जिससे प्रतिभूति बाजारों के बहुत सारे निवेशकों ने उधर का रुख कर लिया है। मगर रेपो दरें ऊंची होने की वजह से भारतीय रिजर्व बैंक के लिए ऐसा करना कठिन है। कच्चे तेल की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव से अनिश्चितता का वातावरण है। इससे तेल की कीमतों में कमी लाने का विचार स्थगित रखना प?ता है। मगर यह असर माल ढुलाई और वस्तुओं की उत्पादन लागत पर पड़ रहा है। मगर पिछले कुछ महीनों से भारत में महंगाई का रुख ऊपर की तरफ होने की वजह वैश्विक तनाव को मानना जरा मुश्किल है। क्योंकि अधिक महंगाई रोजमर्रा की वस्तुओं, मसलन सब्जी, फल, दूध, अनाज,अंडे की कीमतों में देखी गई है। लिहाजा इन वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी का कारण वैश्विक तनाव कैसे मानें। तेल की कीमतें लंबे समय से ऊंचे स्तर पर बनी हुई हैं, इसलिए माल ढुलाई और खेती में लागत पहले से बढ़ी हुई है। इसका एक पहलू यह भी है कि किसानों को उतनी कीमत नहीं मिल पा रही, जितनी बाजार में उपभोक्ता को चुकानी पड़ रही है। जाहिर है कि महंगाई के पीछे कारण कुछ दूसरे हैं और उन्हें नियंत्रित करने की सख्त जरूरत है। अर्थव्यवस्था की मजबूती के लिए प्रति व्यक्ति आय का बढ़ना जरूरी है और यह तभी संभव है, जब रोजगार के अवसर बढ़ें। मगर यह भी सच्चाई है कि हमारे औद्योगिक क्षेत्र का प्रदर्शन निराशाजनक है, इसलिए रोजगार के मोर्चे पर कमजोरी है। कृषि क्षेत्र पर जैसा ध्यान दिया जाना चाहिए और बदलती स्थितियों के मुताबिक किसानों को जैसी सुविधाएं उपलब्ध होनी चाहिए, वैसी नहीं हो पाई हैं। ऐसे में वैश्विक तनाव के हवाले से बढ़ती महंगाई से पल्ला झाड़ लेना उचित नहीं कहा जा सकता। इसके लिये गंभीरता से और पूरे सोच विचार के साथ सरकार को महंगाई काबू करने के प्रयासों पर मंथन करना चाहिये और हर उस जानकार की राय लेने से गुरेज नहीं करना चाहिये,जो इस क्षेत्र में पारंगत है।

आज का इतिहास

- 1707 : मुगल शासक औरंगजेब का अहमदनगर में निधन हुआ।
- 1710 : जोहान विलेम फ्रिसो ग्रोनिंगन को नीदरलैंड का वाइसराय बनाया गया।
- 1737 : फ्रांस के वित्त मंत्री चौवेलिन ने इस्तीफा दिया।
- 1745 : जेकोबिक सैनिकों ने फोर्ट ऑगस्टस, स्कॉटलैंड पर कब्जा कर लिया।
- 1768 : पहली अमेरिकी चार्टर्ड फायर बीमा कंपनी खुली।
- 1792 : डाक सेवा अधिनियम, संयुक्त राज्य डाकघर विभाग की स्थापना, राष्ट्रपति जॉर्ज वॉशिंगटन द्वारा हस्ताक्षर किए गए।
- 1810 : टाइरोलियन विद्रोही नेता एंड्रियास हॉफर को निष्पादित किया गया।
- 1811 : ऑस्ट्रिया को दिवालिया घोषित किया गया।
- 1827 : इटुजिंगो की लड़ाई (पेसो दो रोजारियो) में ब्राजील के इंपीरियल आर्मी के एक दल ने अर्जेंटीना-उरुग्वेयन सैनिकों से युद्ध में भाग लिया।
- 1835 : स्टूडेंट्स के एडमिशन के साथ कोलकाता मेडिकल कॉलेज की शुरुआत हुई। इस कॉलेज की स्थापना 28 जनवरी 1835 को हुई थी।
- 1846: सोबरॉन के युद्ध में सिखों की हार के बाद अंग्रेजों ने लाहौर पर कब्जा कर लिया।1868 : अमृत बाजार पत्रिका का पहला साप्ताहिक अंक बंगाली में प्रकाशित हुआ।
- 1869 : टेनेसी के गवर्नर डब्ल्यू सी ब्राउनलो ने कु क्लक्स क्लान संकट में मार्शल लॉ की घोषणा की।
- 1872 : मेट्रोपॉलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट का उद्घाटन न्यूयॉर्क शहर में किया गया।
- 1873 : कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय ने अपना पहला मेडिकल स्कूल खोला।
- 1915 : सैन फ्रांसिस्को ने पनामा-प्रशांत अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।
- 1921 : चेकोस्लोवाकिया की युवा कम्युनिस्ट लीग की स्थापना हुई।
- 1947 : ब्रिटेन के प्रधानमंत्री क्लेमेंट अट्टली ने घोषणा की कि ब्रिटेन 30 जून 1948 तक भारत को छोड़ देगा।
- 1947 : लॉर्ड माउंटबैटन भारत के आखिरी वायसराय बनाए गए।

निशाना

दे रहे हैं न्यौता !

- कृष्णेन्द्र राय

होगा फिर से स्वागत ।
है आया बयान ।।
आकर के तो देखें ।
मिलना तय सम्मान ।।
दे रहे हैं न्यौता ।
कर सकते प्रवेश ।।
हैं वो अब स्वतंत्र ।
ना है कोई क्लेश ।।
फिर मिलेगा उनको ।
पहले वाला प्यार ।।
गए थे वो खुद ही ।
करें पुनः विचार ।।
ना कोई आपत्ति ।
और नहीं प्रतिबंध ।।
सोच सकते नया कुछ ।
करने को प्रारंभ ।।

मी लार्ड, पार्टियों के हिसाब पर अभिनन्दन चार्जशीट नेताओं पर प्रतिबन्ध कब?

■ आलोक मेहता

देश की सर्वोच्च अदालत ने इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम को असंवैधानिक करार देते हुए रद्द कर दिया है। इतना ही नहीं, सुप्रीम कोर्ट ने पिछले पांच सालों के चंदे का हिसाब-किताब भी मांग लिया है। अब निर्वाचन आयोग को बताना होगा कि पिछले पांच साल में किस पार्टी को किसने कितना चंदा दिया है। सूचना के अधिकार और पारदर्शिता के प्रबल समर्थक पत्रकार होने के नाते इस ऐतिहासिक निर्णय पर मी लार्ड यानी सर्वोच्च न्यायाधीशों का अभिनन्दन ही कर सकते हैं। इससे सत्तारू? या प्रतिपक्ष के राजनैतिक दलों या चुनावी चंदे के नाम पर लाखों करोड़ों रूपये चंदा देने वालों को होने वाले दर्द या खुशी पर लगातार चर्चा होती रहेगी। लेकिन इसके साथ ही चुनावों में धन बल और बाहुबल पर कड़े अंकुश के लिए हो रही पुकार पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा एक कड़े निर्णय का अनुरोध और प्रतीक्षा बनी हुई है।

पहली बात यह कि सुप्रीम कोर्ट के ताजे निर्णय पर स्वागत के बावजूद संभव है कि इसकी पुनर्समीक्षा के लिए आने वाले दिनों में कोई अपील भी हो जाए। हाँ समय सीमा तय होने से अच्छा है कि पार्टियों और दानदाता कंपनियों का हिसाब किताब सार्वजनिक हो जाए। वह लोक सभा चुनाव में गंभीर मुद्दा भी बन सकता है। लेकिन क्या सचमुच इससे अधिकांश मतदाताओं पर असर पड़ेगा ? नेता और पार्टियों के पुराने या नए वायदों और सामान्य लोगों को होने वाले लाभ हानि को देखते हुए लोग वोट देते हैं। हाँ एक वर्ग विचारधारा और पूंजीवाद से नाराज रहने के कारण किसी दल विशेष या निर्दलीय को पसंद नापसंद कर सकता है। लेकिन पिछले पचास वर्षों का मेरा अनुभव यह है कि उदारीकरण से पहले भी बढ़े पूंजीपति या प्रादेशिक स्थानीय उद्योगपति अथवा व्यापारी पार्टियों या उम्मीदवारों को नगद या चेक से धन देते थे। इलाके के लोगों को भी अंदाज रहता था कि कौन सहायता कर रहा है। राजनैतिक दलों के कोषाध्यक्ष बहुत ईमानदारी से पार्टी का काम मुंशी की तरह करते थे। पिछले वर्षों के दौरान चुनावी उम्मीदवार अपनी संपत्ति का विवरण भी चुनाव आयोग को देने के साथ सार्वजनिक रूप से घोषित कर रहे हैं। लेकिन इससे करोड़ों रूपये बहाने वाले नेताओं की संख्या विधान सभा , लोक सभा ही नहीं नगर निगम पालिका तक कम होने के बजाय बढ़ती गई है। इसी तरह बांड्स नहीं होने पर पुरानी व्यवस्था की तरह नगद , चेक या समर्थकों के नाम से चुनाव या पार्टी का खर्च करते रह सकते हैं।

इसी तरह लोक सभा में भी आपराधिक मामलों से जुड़े सांसदों की संख्या कम नहीं है ।तभी तो सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक निर्णय में पार्टियों से कहा था कि राजनैतिक दल दागी उम्मीदवार खड़े करने के कारण स्पष्ट करें । वर्षों से चल रही बहस और अदालती निर्देशों के बावजूद लोक सभा में दागी यानी आपराधिक रिकॉर्ड वाले सांसदों की संख्या बढ़ती चली गई है । 2004 में दागी प्रतिनिधियों की संख्या 24 प्रतिशत थी , जो 2009 में 30 प्रतिशत , 2014 में 34 प्रतिशत और 2019 के लोक सभा चुनाव के बाद 43 प्रतिशत हो गई ।सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने ने सितम्बर 2018 को एक फैसले में निर्देश दिया था कि दागी उम्मीदवार अपने आपराधिक रिकॉर्ड को प्रमुखता से सार्वजानिक करें , ताकि जनता को जानकारी रहे , लेकिन नेताओं ने अब तक इसे ठीक से नहीं अपनाया । इसलिए अब कोर्ट ने फिर से निर्देश दिए हैं । इसमें कोई शक नहीं कि राजनीतिक कार्यकर्त्ता पर कुछ मामले आंदोलन अथवा पूर्वाग्रह के हो सकते हैं , लेकिन अनेकानेक गंभीर मामलों में सबूतों के साथ चार्जशीट होने पर तो नेता और पार्टियों को कोई शर्म महसूस होनी चाहिए।

राजनीति के अपराधीकरण का असली कारण यह है कि पहले पार्टियां और उनके नेता चुनावी सफलता के लिए कुछ दादा किस्म के दबंग अपराधियों और धनपतियों का सहयोग लेते थे । धीरे धीरे दबंग और धनपतियों को स्वयं सत्ता में आने का मोह हो गया । अधिकांश पार्टियों को यह मजबूरी महसूस होने लगी । पराकाष्ठा यहाँ तक हो गई कि नरसिंह राव के सत्ता कल में एक बहुत विवादस्पद दबंग नेता को राज्य सभा में नामांकन तक कर दिया गया । ऐसे दादागिरी वाले नेता येन केन प्रकारेण किसी न किसी दल से चुनकर राज्य सभा तक पहुंच जाते हैं । दुनिया के किसी अन्य लोकतान्त्रिक देश में इतनी बुरी स्थिति नहीं मिलेगी । कुछ अफ्रीकी देशों में अवश्य ऐसी शिकायतें मिल सकती हैं , लेकिन दुनिया तो भारत को आदर्श रूप में देखना चाहती है । इस सन्दर्भ में हर लोक सभा या विधान सभा चुनाव में इवीएम मशीनों को लेकर न केवल कुछ पार्टियां और नेता संदेह पैदा करने की कोशिश करने लगे हैं । यदि वे विजयी हो रहे होते हैं , तो उन्हें मशीन ठीक लगती है और पराजय की हालत में मशीन में गड़बड़ी , हेराफेरी के आरोप लग जाते हैं । यहां तक की मीडिया में कुछ विशेषज्ञ या पत्रकार भी शंका करते हैं । यह बेहद दुखद स्थिति है, क्योंकि इससे गरीब , कम शिक्षित मतदाता ही नहीं शहरी लोग भी मतदान को अनावश्यक और गलत समझने लगते हैं । जबकि तकनीकी पुष्टि देश के नामी आई टी विशेषज्ञ कर रहे हैं । चुनाव सुधार अभियान के दौरान ऐसी अफवाहों पर अंकुश के लिए भी कोई नियम कानून बनना चाहिए । वैसे भी किसी चुनाव को अदालत में चुनौती का प्रावधान है ।

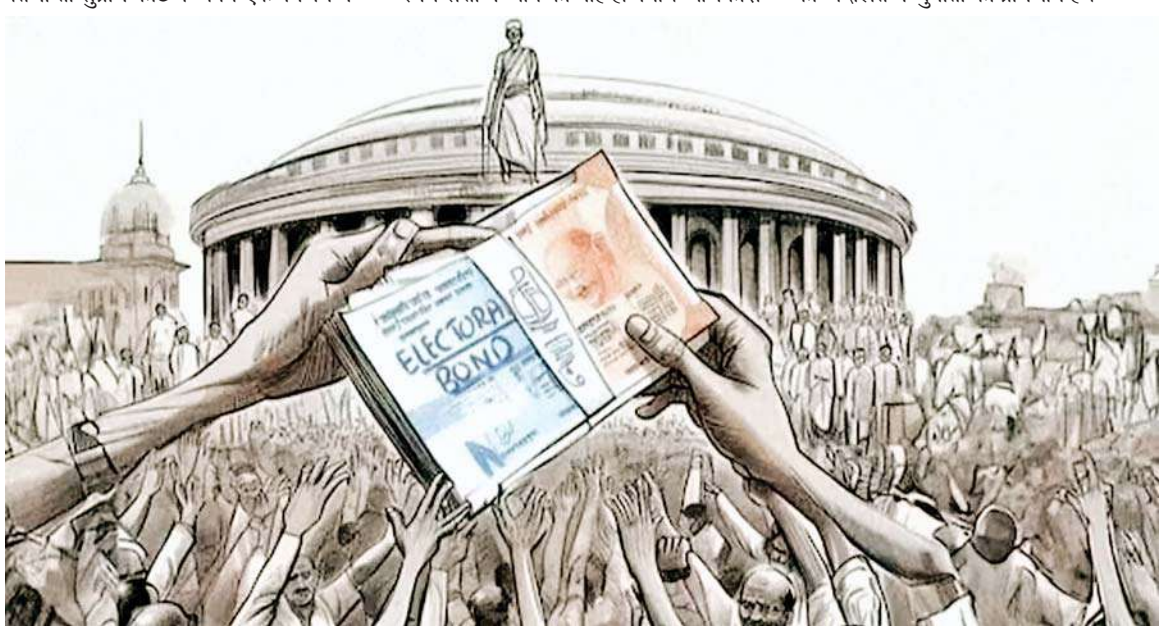

लोकतंत्र में आस्था को अक्षुण्ण रखने के लिए व्यापक चुनाव सुधार और एक देश एक चुनाव के विचार पर जल्द ही सर्वदलीय सहमति से निर्णय होना चाहिए । चुनाव आयोग ने तो बहुत पहले यही सिफारिश कांग्रेस राज के दौरान की थी कि चार्जशीट होने के बाद उम्मीदवार नहीं बन पाने का कानून बना दिया जाये , लेकिन ऐसी अनेक सिफारिशें सरकारों और संसदीय समितियों के समक्ष लटकी हुई हैं । प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सांसदों - मंत्रियों आदि पर विचाराधीन मामलों के लिए अलग से अदालतों के प्रावधान और फैसले का आग्रह भी किया , लेकिन अदालतों के पास शायद पर्याप्त जज ही नहीं हैं और राज्यों में सत्तारू? दलों के नेता भी इस तरह के अंकुश से बचने की कोशिश कर रहे हैं । असल में इसके लिए सरकार , संसद और सर्वोच्च अदालत ही पूरी गंभीरता से निर्णय लागू कर सकती हैं ।

साभार: लेखक के अपने विचार हैं..

रामकृष्ण परमहंस जन्म जयन्ती

देवर्षि एवं त्रिकालदर्शी थे रामकृष्ण परमहंस ब्रह्मर्षि

■ ललित गर्ग

अंगुलियों पर गिने जाने योग्य कुछ महान् व्यक्तियों को समय-समय पर भारत की रत्नगर्भा वसुंधरा ने पैदा किया, जिनकी आध्यात्मिक चेतना एवं सिद्धियों से समूची दुनिया चमत्कृत होती रही है। जो युग के साथ बहे नहीं, युग को अपने बहाव के साथ ले चले। ऐसे लोग सच्चे जीवन के धनी और जीवन-चैतन्य से ओतप्रोत है। वे स्वयं आगे बढें, जन-जन को बढ़ाते चलें। ऐसे महापुरुषों-युगपुरुषों-युगांतरकारी सिद्धपुरुषों का जीवन साधनामय होता है और जन-जन को वे साधना की पगडंडी पर ले जाते हैं, प्रकाश स्तंभ की तरह उन्हें जीवन पथ का निर्देशन देते हैं एवं प्रेरणास्रोत बनते हैं। जिन्होंने अपने व्यक्तित्व और कर्तृत्व से न सिर्फ स्वयं को प्रतिष्ठित किया वरन् उनके अवतरण से समग्र विश्व मानवता धन्य हुई है। इसी संतपुरुषों, गुरुओं एवं महामनीषियों की शृंखला में एक महापुरुष हैं रामकृष्ण परमहंस।

स्वामी रामकृष्ण परमहंस एक महान संत, उच्चकोटि के साधक, विचारक, समाज सुधारक एवं सिद्धपुरुष थे। वे स्वयं भगवान नहीं थे, लेकिन भगवान से कम भी नहीं थे। उनका जन्म फाल्गुन शुक्ल की द्वितीया तिथि यानी 18 फरवरी 1836 को बंगाल प्रांत के कामारपुकुर गांव में हुआ था। जन्म के पहले ही उनके माता-पिता को कुछ अलौकिक लक्षणों का अनुभव होने लगा था, जिसके अनुसार वे यह समझ गए थे कि कुछ शुभ होने वाला हैं। इनके पिता ने सपने में भगवान विष्णु को अपने घर में जन्म लेते हुए देखा तथा माता को शिव मंदिर में ऐसा प्रतीत हुआ कि एक तीव्र प्रकाश इनके गर्भ में प्रवेश कर रहा हैं। इस साल 2024 में उनकी 189वीं जयंती व्यापक स्तर पर मनायी जा रही है। स्वामी रामकृष्ण परमहंस ने सभी धर्मों को एक बताते हुए उनकी एकता पर जोर दिया था। उनका मानना था कि सभी धर्मों का आधार प्रेम है। उन्हें बचपन से ही विश्वास था कि ईश्वर के दर्शन हो सकते हैं। ईश्वर की प्राप्ति के लिए उन्होंने कठोर साधना और भक्ति की। अपनी साधना से रामकृष्ण इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि संसार के सभी धर्म सच्चे हैं और उनमें कोई भिन्नता नहीं है। वे ईश्वर तक पहुंचने के भिन्न-भिन्न साधन मात्र हैं। भारत का जन-जन रामकृष्ण परमहंस की परमहंसी साधना का साक्षी है, उनकी गहन तपस्या के परमाणुओं से अभिषिक्त है यहां की माटी और धन्य है यहां की हवाएं जो इस भक्ति और साधना के शिखरपुरुष के योग से आप्लावित है। संसार के पूर्णत्व को जो प्राप्त हैं, उन इने-गिने व्यक्तियों में वे एक थे। उनका जीवन ज्ञानयोग, कर्मयोग एवं भक्तियोग का समन्वय था।

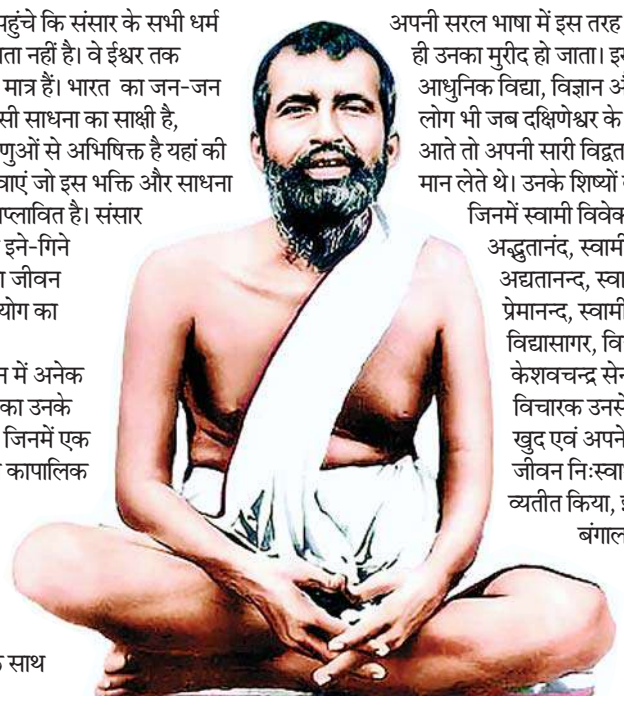

यो तो रामकृष्ण के जीवन में अनेक गुरु आये पर अन्तिम गुरुओं का उनके जीवन पर बहुत प्रभाव पड़ा। जिनमें एक थी भैरवी जिन्होंने उन्हें अपने कापालिक तंत्र की साधना करायी और दूसरे थे श्री तोतापुरी उनके अन्तिम गुरु। गुरु तोतापुरी सिद्ध तांत्रिक तथा हठ योगी थे। उन्होने रामकृष्ण को परमशिव के निराकार रूप के साथ पूर्ण संयोग की दीक्षा दी। पर आजीवन तो उन्होने मां काली की ही आराधना की थी। वे जब भी ध्यान करते तो मां काली उनके ध्यान में आ जाती और वे भावविभोर हो जाते। मां से सीधा उनका साक्षात्कार एवं संवाद होता था। गंगा के तट पर दक्षिणेश्वर के प्रसिद्ध मंदिर में रहकर रामकृष्ण मां काली की पूजा किया करते थे।रामकृष्ण परमहंस के पास जो कोई भी जाता वह उनकी सरलता, निश्चलता, भोलेपन और त्याग से इतना अभिभूत हो जाता कि अपना सारा पांडित्य भूलकर उनके पैरों पर गिर पड़ता था। गहन से गहन दार्शनिक सवालों के जवाब भी वे अपनी सरल भाषा में इस तरह देते कि सुनने वाला तत्काल ही उनका मुरीद हो जाता। इसलिए दुनियाभर की तमाम आधुनिक विद्या, विज्ञान और दर्शनशास्त्र पड़े महान लोग भी जब दक्षिणेश्वर के इस निरक्षर परमहंस के पास आते तो अपनी सारी विद्वता भूलकर उन्हें अपना गुरु मान लेते थे। उनके शिष्यों की भी लम्बी श्रृंखला है, जिनमें स्वामी विवेकानन्द, दुर्गाचरण नाग, स्वामी अद्भुतानंद, स्वामी ब्रह्मानंदन, स्वामी अद्यतानन्द, स्वामी शिवानन्द, स्वामी प्रेमानन्द, स्वामी योगानन्द थे। ईश्वरचंद्र विद्यासागर, विजयकृष्ण गोस्वामी, केशवचन्द्र सेन जैसे बंगाल के शीर्ष विचारक उनसे प्रेरणा प्राप्त करते थे। उन्होंने खुद एवं अपने शिष्यों के माध्यम से सारा जीवन निःस्वार्थ मानव सेवा के लिये व्यतीत किया, इनके विचारों का न केवल बंगाल के बल्कि सम्पूर्ण राष्ट्र के बुद्धिजीवियों पर गहरा सकारात्मक असर पड़ा तथा वे सभी इन्हीं की राह पर चल पड़े।

रामकृष्ण परमहंस ने भाग्य की रेखाएं स्वयं निर्मित करने की जागृत प्रेरणा दी। स्वयं की अनन्त शक्तियों पर भरोसा और आस्था जागृत की। अध्यात्म और संस्कृति के वे प्रतीकपुरुष हैं। जिन्होंने एक नया जीवन-दर्शन दिया, जीने की कला सिखलाई। इन्होंने सभी धर्मों और जातियों की एकता तथा समानता हेतु जीवनभर कार्य किया, परिणामस्वरूप इन्हें राम-कृष्ण नाम सर्व साधारण द्वारा दिया गया एवं इनके उदार विचार एवं व्यापक सोच के प्रति सभी समभाव रखते थे इसी कारण उन्हें परमहंस की उपाधि प्राप्त हुई। इन्होंने मुस्लिम तथा ईसाई धर्म की भी साधनाएँ की और सभी में एक ही ईश्वर को देखा। परमहंस के भोले प्रयोगवाद में वेदांत, इस्लाम और ईसाइयत सब एक रूप हो गए थे। निरक्षर और पागल तक कहे जाने वाले रामकृष्ण परमहंस ने अपने जीवन से दिखाया था कि धर्म किसी मंदिर, गिरजाघर, विचारधारा, ग्रंथ या पंथ का बंधक नहीं है।

श्री रामकृष्ण परमहंस की भक्ति एवं साधना ने हजारों-लाखों को भक्ति-साधना के मार्ग पर अग्रसर किया। उनके जादुई हाथों के स्पर्श ने न जाने कितने व्यक्तियों में नयी चेतना का संचार हुआ, उन जैसे आत्मद्रष्टा ऋषि के उपदेशों का अचिन्त्य प्रभाव असंख्य व्यक्तियों के जीवन पर पड़ा। उनके प्रेरक जीवन ने अनेकों की दिशा का रूपान्तरण किया। उनकी पावन सन्निधि भक्ति, साधना एवं परोपकार की नयी किरणें बिखेरती रही अतः वे साधक ही नहीं, साधकों के महानायक थे। वे ब्रह्मर्षि और देवर्षि थे- साधना-भक्ति के नये-नये प्रयोगों का आविष्कार किया इसलिये ब्रह्मर्षि और ज्ञान का प्रकाश बांटते रहे इसलिये देवर्षि। माँ काली की कृपा से वे त्रिकालदर्शी महापुरुष बन गए थे।

स्वामी विवेकानंद उनके प्रमुख शिष्य थे, उनके विचारों तथा भावनाओं का स्वामीजी ने सम्पूर्ण विश्व में प्रचार किया तथा हिन्दू सभ्यता तथा संस्कृति की अतुलनीय परम्परा को प्रस्तुत किया। स्वामीजी ने परमहंस जी के मृत्यु के पश्चात रामकृष्ण मिशन की स्थापना की, जो सम्पूर्ण विश्व में समाज सेवा, शिक्षा, योग, हिन्दू दर्शन पर आधारित कार्यों में संलग्न रहती हैं तथा प्रचार करती हैं, इनका मुख्यालय बेलूर, पश्चिम बंगाल में हैं। रामकृष्ण परमहंस, ठाकुर नाम से जाने जाने लगे थे, बंगाली में ठाकुर शब्द का अभिप्राय ईश्वर होता हैं, सभी उन्हें इसी नाम से पुकारने लगे थे। उन्होंने स्वयं ही प्रेरक जीवन नहीं जीया, लोकजीवन को ऊंचा उठाने का जो हिमालयी प्रयत्न किया है, वह भी अद्भुत एवं विस्मयकारी है। ऐसे दिव्य संतपुरुष की नया भारत-सशक्त भारत में महत्वपूर्ण भूमिका है। उनके जन्म दिवस श्रद्धासुमन समर्पित है।

साभार: लेखक के अपने विचार हैं..

नर्मदापुरम। ग्राम पालनपुर में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया गया. कथा सुनने आसपास के अनेक ग्रामों से आए ग्रामीणों ने पुण्य लाभ अर्जित किया।

शिव के बिना शरीर शव के समान है :पंडित दाधीच

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

महाशिवपुराण के अंतर्गत के अंतर्गत पंडित ललित किशोर दाधीच ने कहा कि शिव के बिना शरीर शव के समान है शिवजी से जीवन जीने का सबसे बड़ा संदेश मिलता है जहर को तन मे रखकर भी अमृत वर्षा करते हैं। जिस दिन जहर पीना आ गया जीवन शिव हो जाता है लंका में हनुमान जी का अनादर हुआ, उनकी पूंछ मै आग लगाई गई अपशब्द कहे गए पर हनुमान जी प्रसगन्न रहे उन्होंने कहा मेरा अपमान से भी अनिष्ट नहीं होता मै राम काज के लिए सभी व्यवहार को प्रभु का आशीर्वाद समान हे,हनुमान जी शिव का अवतार है शिवजी का ऐक नाम तिरुपरारी भी है त्रि का अर्थ है तीन आरी का अर्थ है शत्रु काम, क्रोध, लोभ को भी बस मै रखे बही शिव है इस तीन सूंड से मनुष्य अति दुखी है यह त्रिसूल के रूप मै शिव के बस मै है। उन्होंने कहा की इस धर्म आयोजन मै ग्राम रावण पीपल, फरीदपुर, अमलाडा कला, जीरावह, कोठारा, नवलगाव, पगडाल से सकेड़ो धर्म प्रेमी जनता कथा का श्रवण करने आ रही है।

रेत के ओवरलोड वाहनों से सड़क हो रही है क्षतिग्रस्त

रेत के अवैध उत्खनन एवं परिवहन के कारोबार से ग्रामीण परेशान

ग्रामीणों के द्वारा बार-बार शिकायत करने के बाद भी प्रशासन नहीं ले रहा है कोई एक्शन

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

जिले की नदी नर्मदा और तवा रेत माफियाओं के लिए वरदान साबित हुई है। इन दोनों नदियों के किनारे दिनदहाड़े रेत का कारोबार कई सालों से जारी है।अनुमान लगाया जा रहा था कि सरकार बदलेगी या सरकार का मुखिया बदलाएगा तो इस रेत के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाया जाएगा लेकिन ऐसा नहीं हो सका। सरकार तो नहीं बदली लेकिन सरकार के मुखिया बदला गए।

जिले के दर्जनों गांव ऐसे हैं जो नदियों के किनारे बसे हैं इन गांव से रेत का अवैध कारोबार कई सालों से जारी है। रेत माफियाओं ने अपने संपर्क सूत्र इतने विकराल कर रखे हैं कि घर पकड़ की भनक लगते ही यह रेत माफिया खदानों से चंपत हो जाते हैं। नर्मदा नदी के किनारे बसे गांव नानपा कजलास खोकसर टिगरिया आदि क्षेत्रों में नर्मदा नदी से रेत का दिनदहाड़े कारोबार चल रहा है। ग्राम पंचायत नपा के सरपंच उप सरपंच सहित ग्रामीणों ने कई बार प्रशासन को इस काले कारनामे से अवगत कराया लेकिन प्रशासन द्वारा आज दिनांक तक कोई भी कार्रवाई नहीं किए जाने से रेत माफिया के हौसले बुलंद है।

फिर भी रेत के कारोबार पर नियंत्रण के लिए कोई विशेष प्रयास नहीं किए जा रहे।

नपा के उप सरपंच सरवन कुमार ने बताया नर्मदा किनारे से रेत निकालने वाले बाहरी तत्व यहां आकर प्रत्येक ट्रैक्टर ट्राली को ?400 के हिसाब से पर्ची काटकर रेत भरने की अनुमति दे रहे हैं। जब गांव में रेट का ठेका हुआ ही नहीं तो यह कौन लोग है जो अवैध रूप से पर्ची काटकर रेत का फर्जी व्यवसाय करने लगे हैं।

अवैध रूप से रेत का कारोबार करने वाले रेत माफियाओं के वाहन गांव की सड़कों पर तेज गति से दौड़कर न सिर्फ पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहे हैं बल्कि गांव की सड़कों को भी क्षतिग्रस्त कर रहे हैं। जिन सड़कों से स्कूली बच्चे स्कूल तक पहुंचते हैं उन सड़कों की हालत तो देखने लायक हो गई है। ग्रामीण क्षेत्र की सड़कों पर 10 टन से ज्यादा भारी वाहनों को निकालने की अनुमति नहीं है लेकिन रेत माफिया के डंपर भारी वजनी वाहन इन सड़कों से गुजर कर सड़कों को नुकसान पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। प्रशासन द्वारा सख्त आदेश है कि इन सड़कों पर भारी वाहनों की आवा जाही बंद रहेगी लेकिन प्रशासन की आदेशों का पालन रत्ती भर भी नहीं हो रहा है।

जिला खनिज अधिकारी के पास जब नानपा के ग्रामीण लोग समस्या लेकर पहुंचे तो जिला खनिज अधिकारी दिवेश मरकाम ने कहा हमारे द्वारा कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने ग्रामीणों को बताया कि आप लोग भी रेत माफिया पर नजर रखें। खनिज माफिया ने अफसोस जारी करते हुए कहा कि कुछ राज नेताओं का संरक्षण होने से जिले में अबैध रेत का कारोबार चल रहा है। लेकिन विभाग का काम है कि ऐसे कारोबार को रोकना।हम अवैध रेत कारोबार के खिलाफ मुहिम चलाएंगे। रेत माफियाओं को बख्शा नहीं जाएगा। ग्राम नानपा पंचायत के के नर्मदा तट से रेत का अवैध कारोबार करने वाले रेत माफियाओं की शिकायत करने कलेक्टर कार्यालय पहुंचे सरपंच उप सरपंच एवं ग्रामीणों ने बताया कि दिनदहाड़े नर्मदा किनारे रेत का अवैध कारोबार चल रहा है। जब प्रशासन या पुलिस की धर पकड़ होती है तो रेत माफियाओं को उनके मुखबारों से पहले ही सूचना प्राप्त हो जाती है और भनक लगते ही वह लोग अपने-अपने वाहन लेकर रफू चक्कर जाते हैं। उप सरपंच सरवन कुमार ने बताया इन रेत माफियाओं को कुछ राजनेताओं का संरक्षण प्राप्त है। ग्रामीणों द्वारा मना करने पर रेत माफिया के गुंडे ग्रामीणों से भी झगड़ा करने से नहीं चूकते। यही कारण है की रेत का अबैध कारोबार इस क्षेत्र में दिनों दिन फल फूल रहा है।

ओवरलोडिंग बस अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराई कई लोग हुए घायल

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

बीती रात हरदा से नर्मदापुरम जा रही एक निजी कंपनी की बस भीलट देव के आगे तेज गति से जा रही थी। सामने से आ रहे डंपर और एक मोटर साइकिल सवार को बचाने के चक्कर में रोड किनारे लगे पेड़ से जा टकराई। बस मैं सवारी यात्रियों का कहना है कि बस काफी तेजगति से चल रहीं थी। जिसमें 1 दर्जन से ज्यादा यात्री घायल हो गए। बस में सवार यात्रियों में होशंगाबाद निवासी वाहिद खान ने बताया कि बस काफी तेज गति से चल रही थी।

ड्राइवर भी नशे में लग रहा था। बस में भी लगभग 50 सवारी भर रखी। यात्री वाहिद खान ने बताया कि शाम 6-30 बजे सिवनी मालवा बस स्टैंड से बस होशंगाबाद के लिए रवाना हुई और भीलट देव के आगे नेशनल ढाबे के पास बस लहराई और सड़क किनारे लगे पेड़ से जा टकराई।

किसी को कुछ समझ नहीं आया और बस में चीख पुकार होने लगी। बस के ड्राइवर और कंडक्टर दोनों खेतों में भाग गए। बस में सवार लगभग 15 लोगों को चोटें आई। बस टकराने के लगभग 20 मिनट बाद पुलिस और 108 की एंबुलेंस घटना स्थल पर पहुंची। तब तक आसपास के गांव के लोगों और आने जाने वाले लोगों ने घायलों को सिवनी मालवा अस्पताल लेकर आए। घायल यात्रियों को निजी अस्पताल में, तो कुछ को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सिवनी मालवा लाया गया। जहां डॉ. रही चौबे ने 5 घायल यात्रियों में वाहिद खान 63 वर्ष, सलमा 58 वर्ष, कुबरा 60 वर्ष, रॉयल 35 वर्ष, बन्ने खां का प्राथमिक उपचार किया। सभी को मामूली चोटें आई हैं।

जीवन प्रमाण पत्र एप से पेंशन धारक प्रस्तुत कर सकते हैं प्रमाण पत्र

सीहोर , दोपहर मेट्रो

भारत सरकार की जीवन प्रमाण एप्लीकेशन के माध्यम से पेंशन धारक जीवन प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर सकते हैं। नजदीकी एमपी ऑनलाईन कियोस्क, सीएससी जाएं। बैंक की किसी भी शाखा में सुविधा का उपयोग करें या घर पर भी ऑनलाइन के माध्यम से http://jeevanpraman.gov.in वेबसाईट पर जाकर जीवन प्रमाण पत्र की प्रक्रिया पूर्ण की जा सकती है। गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड कर दिये गये निर्देशों का पालन कर जीवन प्रमाण पत्र ऑनलाईन जमा किया जा सकता है। गूगल प्ले स्टोर में उमंग एप डाउनलोड कर सर्वप्रथम रजिस्ट्रेशन मोबाइल नम्बर एवं ओटीपी द्वारा किया जा सकता है। इसके उपरांत MPIN सेट करना होगा। स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया द्वारा पेंशनर्स को जीवन प्रमाण पत्र जमा करने के लिए वीडिया सुविधा प्रारंभ की गई है। इस के लिए https://www.pensionseva.sbi./VideoLC वेबसाईट पर जाएं, पेंशन के जिस खाता संख्या में पेंशन जमा होती है उसकी प्रविष्टी कर सुविधा का प्रयोग करें। पोस्ट ऑफिस की सशुल्क सुविधा 70 डोर स्टेप सुविधा प्रारंभ की गई है। जिसमें पोस्टमेन स्वयं पेंशनर के आवास में विजिट कर लाईफ सर्टिफिकेट की सुविधा प्रदान करता है। जिसकी बेवासाईट https:// www. ippbonline. com/ web/ ppb/ digital-life-certificate से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। पेंशनर्स द्वारा अपने नजदीकी लोक सेवा केन्द्र में जाकर भी जीवन प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जा सकता है। डिजिटल उपकरणों के अतिरिक्त पेंशनर द्वारा अपने जिले के बैंक शाखा Pension Disburrsing Agency में जाकर भी जीवन प्रमाण पत्र मैनुअली फॉर्म जमा किया जा सकता है आवश्यकता पढ़ने पर पेंशनर जिला पेंशन अधिकारी से भी संपर्क कर सकते हैं।

कलेक्टर ने अनुकम्पाधारक को नियुक्ति आदेश प्रदाय किए

विदिशा । कलेक्टर उमाशंकर भार्गव ने अनुसूचित जाति, जनजाति कार्य विभाग में अनुकम्पा का लंबित एक प्रकरण को त्वरित समाधान कराते हुए आवेदिका श्रीमती भुवनेश्वरी माणिक को अनुकम्पा नियुक्ति आदेश अपने हाथो से प्रदाय किए इस दौरान जिला संयोजक श्रीमती पारूल जैन भी मौजूद रही।

जारी अनुकम्पा नियुक्ति आदेश में उल्लेख है कि जनजाती एवं अनुसूचित जाति विभाग विदिशा में वरिष्ठता के आधार पर स्वर्गीय विजय माणिक चौकीदार की मृत्यु उपरांत मृतक की पत्नि श्रीमती भुवनेश्वरी माणिक को शासकीय महाविद्यालयीन कन्या छात्रावास विदिशा में चतुर्थ श्रेणी रसोईयां के रिक्त पद पर अस्थायी रूप से निर्धारित वेतन मान पर तीन वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर अस्थायी रूप से उल्लेखित शर्तो व प्रतिबंधो के अधीन अनुकम्पा नियुक्ति आदेश् प्रदाय किया गया है।

मिशन अंकुर में 80 हजार से अधिक बच्चों का होगा वार्षिक आकलन

सीहोर , दोपहर मेट्रो

सरकारी स्कूलों में कक्षा 2 और 3 में पढ़ने वाले बच्चों का मूलभूत साक्षरता और संख्या ज्ञान का वार्षिक आकलन 19 फरवरी से 22 फरवरी तक स्कूलों में सेम्पल के तौर पर एक साथ किया जायेगा। इसके लिये राज्य शिक्षा केन्द्र ने परिपत्र जारी किया है। इसके लिये राज्य शिक्षा केन्द्र ने नोडल अधिकारी नियुक्त किये हैं। आकलन कार्य में आकांक्षी जिलों को भी शामिल किया गया है। वार्षिक आकलन के दौरान गठित दल प्राथमिक विद्यालयों में जाकर सर्वेक्षण कार्य करेंगे।

वार्षिक आकलन में विकासखंडों की भागीदारी भी सुनिश्चित की जा रही है। वार्षिक आकलन का उद्देश्य कक्षा 2 और 3 के छात्रों में सीखने के परिणामों का अध्ययन करना है। इस वार्षिक आकलन में कक्षा 2 और कक्षा 3 के विद्यार्थियों को शामिल किया गया है। वार्षिक आकलन के आधार पर शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लक्ष्य निर्धारित किये जायेंगे और शैक्षणिक कार्य-योजना तैयार की जायेगी। स्कूल शिक्षा विभाग ने राज्य में यह कार्यक्रम केन्द्र सरकार के निपुण भारत अभियान में संचालित करने का निर्णय लिया है। राज्य शिक्षा केन्द्र ने जिलों की वार्षिक आकलन रिपोर्ट 24 फरवरी तक भेजने के निर्देश भी दिये हैं।

मेट्रो एंकर नर्मदा कॉलेज में नेशनल आर्ट मंथ के उपलक्ष्य में चित्रकला प्रदर्शनी का आयोजन

विद्यार्थियों ने चित्रकला में विभिन्न शैलियों में कला-कृतियों का किया निर्माण

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

नेशनल आर्ट मंथ 2024 के अंतर्गत शासकीय नर्मदा महाविद्यालय में 1 फरवरी से लेकर 16 फरवरी 2024 तक चित्रकला विभाग में कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का समापन चित्रकला की प्रदर्शनी के साथ हुआ जिसका उद्घाटन प्राचार्य डॉ ओ एन चौबे ने किया.प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों के अंदर छुपी हुई प्रतिभा को सामने लाना तथा उन्हें कला से जोड़ना ताकि वे संवेदनशील और आत्मनिर्भर बन सकें । संयोजक फाइन आर्ट प्राध्यापक श्रीमती नित्या पटेरिया ने प्रदर्शनी के उद्देश्य और कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की।उनके मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने विभिन्न शैलियों के चित्र बनाएं । जिसमें मांडल शैली, मधुबनी , फुलकारी, स्टिल लाइफ, नेचर ड्राइंग के साथ-साथ पोर्टेट भी शामिल हैं । इस दौरान विद्यार्थियों ने नृत्य नाटिका प्रस्तुत की । उसमें मुख्य आकर्षण यह रहा कि छात्रा स्वीटी गांगले नृत्य कर रही थी और साथी चित्रकार आयुष मालवीय उसका नृत्य करते हुए पोर्टेट बना रहा थे । कलाकार के मनोभाव को अपनी कलाकृति के माध्यम से अभिव्यक्त करते हुए रिया नायडू और केतन यादव ने एक शिक्षक विद्यार्थी की प्रतिभा को पहचान कर उसे कैसे प्रेरित करता है का जीवंत अभिनय नृत्य नाटिका द्वारा प्रस्तुत किया ।

विभागाध्यक्ष डॉ हंसा व्यास ने कहा चित्रकला ,शिल्प कला नृत्य और संगीत कला जीवन जीने की दिशा देती है कौशल विकास करके रोजगार में भी मदद करती है। पंद्रह दिवसीय कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों को आउटडोर स्केचिंग के लिए पर्यटन घाट भी ले जाया गया जहां अभिव्यक्ति मंच पर शहर के वरिष्ठ रंगकर्मी आर्टिस्ट श्री कमलेश सक्सेना ने विद्यार्थियों को चित्रकला की बारीकियां समझाई। कार्यक्रम में डॉ एस सी हर्ने,डॉ राजेश दीवान , डॉ संजय चौधरी, डॉ कमल वाधवा, डॉ सविता गुप्ता,डॉ कल्पना विश्वास, डॉ मीना कीर,डॉ अंजना यादव, जयसिंह ठाकुर उपस्थित रहे । संचालन साक्षी यादव और मुस्कान यादव ने किया। कार्यशाला में लगभग 30 विद्यार्थियो ने भागीदारी की 7 नैंसी कांसकर, मनोज टेकाम , प्रियांशु गोस्वामी शांति मांझी और , अदिती दुबे ,तनुप्रिया यादव, राधा यादव आदि विद्यार्थियों ने सक्रिय भूमिका निभाई ।

सरकारी बदहाल और प्राइवेट खुशहाल, साहब का बड़ा है गेम प्लान !

ग्रामीण अंचल की स्वास्थ्य सेवाएं बदहाल उपस्वास्थ्य केंद्रों पर डले रहते हैं ताले

स्वास्थ्य सुविधा के नाम पर क्षेत्र में 36 उपस्वास्थ्य केंद्र है संचालित
28 सीएचओ एवं 29 एएनएम है कार्यरत
लगभग 21 लाख रुपए होता है प्रतिमाएं खर्च

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

क्षेत्र के ग्रामीण अंचल की स्वास्थ्य सेवाएं इन दिनों बदहाल स्थिति में है। ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को अपने गांव के आसपास ही स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खोले गए स्वास्थ्य केन्द्रों पर ताले लटके मिलने से मरीजों को उपचार के लिए भटकना पड़ रहा है। शासन ने लाखों रुपए खर्च कर ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर बनाने के लिए गांवों में स्वास्थ्य केंद्र खुलवाए हैं। लेकिन यहां पदस्थ स्टाफ की मनमानी के चलते मरीजों को उपचार सुविधा नहीं मिल पा रही। ग्रामीणों को अपने गांवों से काफी दूर दराज और सिरोंज जाकर उपचार कराना पड़ता है। इससे समय की बर्बादी के साथ उन पर आर्थिक मार भी पड़ती है। ग्रामीणों की शिकायत है कि उनके गांवों में बने स्वास्थ्य केंद्र कभी कभार ही खुलते हैं। अधिकांशतया केंद्र बंद पड़े रहते हैं। उपस्वास्थ्य केंद्रों की अव्यवस्थाओं की ओर वरिष्ठ अधिकारियों का कोई ध्यान नहीं है। इसके कारण केंद्रों की हालत बदतर होती जा रही है। विकासखंड में लगभग 36 उपस्वास्थ्य केंद्र हैं।

स्वास्थ्य केंद्रों पर लटका मिलता है ताला: विकासखंड के अधिकांश उपस्वास्थ्य केंद्रों की हालत काफी खराब है। ग्रामीणों की शिकायत है कि उनके गांव में स्वास्थ्य केंद्र तो बना है लेकिन वहां पदस्थ स्टाफ नियमित न आने से केंद्रों पर ताला डला मिलता है। जिसके कारण उन्हें स्वास्थ्य सुविधा नहीं मिल पा रही। मरीजों को उपचार के लिए दूर दराज जाना पड़ता है। कई बार शिकायत के बाद भी उपस्वास्थ्य केंद्र की अव्यवस्था में सुधार नहीं हुआ है। सरकारी केंद्र बंद मिलने से मजबूरन ग्रामीणों को झोलाछाप डॉक्टरों के पास उपचार के लिए जाना पड़ता है। जो जोखिम भरा रहता है।

सरकार की योजनाओं के लाभ से वंचित है ग्रामीण: जनपद सदस्य कलेक्टर सिंह यादव ने अधिकारियों पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि ग्राम भौरिया पर डिलीवरी प्वाइंट जो बरसों से बंद है सामान्य सभा की बैठक में भी इस बात को लिकर मैं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से चर्चा की थी लेकिन वह कोई जवाब नहीं दे पाए सरकार जनकल्याणकारी योजना चलाकर अंतिम पंक्ति के व्यक्ति को निशुल्क बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के लिए संकल्पित है लेकिन विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों की मनमर्जी और भ्रष्टाचार के चलते क्षेत्र में सभी उपस्वास्थ्य केंद्र कागजो में चल रहे हैं उक्त मामले की उच्च स्तरीय जांच व भ्रष्टाचार करने वाले अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर में कलेक्टर को पत्र लिखूंगा।

अधिकारियों की मिली भगत से चल रहे 654 फर्जी क्लिनिक

विकास खंड में यदि प्राइवेट क्लिनिको की बात की जाए तो खुलेआम बिना किसी मान्यता के 654 क्लीनिक ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित है जहां केवल सर्दी जुकाम का उपचार नहीं बल्कि 203 क्लीनिको पर मरीज को भर्ती करने का काम भी किया जाता है विश्वसनीय सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार यह सभी क्लिनिक विभागीय जिम्मेदार अधिकारियों की साठ गांठ से चल रहे हैं नाम नहीं छापने की शर्त पर एक झोलाछाप डॉक्टर ने बताया कि विदिशा में बड़े साहब का एक खास व्यक्ति है जो प्रत्येक माह कलेक्शन एकत्रित करने का काम करता है नया क्लीनिक खोलने है या किसी कार्रवाई से बचाना है तो सब के अलग-अलग दाम फिक्स हैं इसीलिए तो आज खुलेआम बैठे हैं।

ग्रामों में बिना डिग्री के डॉक्टर कर रहे हैं इलाज

,हमें झोलाछाप डॉक्टर की बात पर विश्वास नहीं हुआ की एक जिम्मेदार अधिकारी इतने बड़े स्तर पर क्या यह सब कर सकता है इसकी पड़ताल के लिए हमारी टीम ने लगभग एक दर्जन ग्राम पंचायतो का भ्रमण किया जहां इन गांव में कई ऐसे डॉक्टर मिले जो लोगों का इलाज तो कर रहे थे लेकिन उनके पास कोई डिग्री नहीं थी यहां तक तो ठीक है लेकिन एक डॉक्टर साहब तो ऐसे कि हमने एक परिचय निकाल कर दवाई का नाम पूछा तो वह इंग्लिश में लिखा दवाई का नाम भी नहीं बता पाए यह सब देखकर ऐसा लगा कि आम जनता के जीवन से सीधा खिलवाड़ हो रहा है अधिकारियों को पता होने के बाद भी मौन धारण करना बंदर वाट की ओर इशारा करता है।

इनका कहना है -

सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ इसीलिए नहीं मिल पाता क्योंकि यदि सरकारी सुविधा का लाभ मिलेगा तो फिर निजी क्लीनिक कैसे चलेंगे और जब फर्जी क्लीनिक पर कमाई नहीं होगी तो मोटा कमीशन भी नहीं मिल पाएगा यह एक बहुत बड़ा गेम प्लान है उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए जो भी फर्जी रूप से क्लीनिक, अस्पताल संचालित कर रहे हैं उन पर एवं संरक्षण देने वाले दोषी अधिकारियों पर भी कार्रवाई होनी चाहिए

सचिन पटेल, वरिष्ठ समाजसेवी सिरोंज

विधायक की चेतावनी का नहीं हो रहा है असर

अवैध रूप से फल-फूल रहा है नशे का कारोबार

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

विधायक की चेतावनी के बाद भी अवैध रूप से नशे के सप्लायरों पर कार्रवाई करने की जरूरत जिम्मेदारी उठाते हुए नजर नहीं आ रहे हैं। नगर में आयोजित कार्यक्रम में मंच से 2 सप्ताह पहले विधायक उमाकांत शर्मा ने ठोस कार्रवाई करने के लिए अधिकारियों को चेताया था। इसके बाद भी कार्रवाई प्रारंभ नहीं हुई इस बात से आसानी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि अवैध रूप से नशे का कारोबार करने वालों की जड़ें कितनी मजबूत है। पुलिस और आबकारी विभाग के जिम्मेदार सत्ता पक्ष के विधायकों के कहने के बाद भी मौत और बर्बादी का सामान बेचने वालों पर कार्रवाई नहीं हो रही है। इसके चलते अवैध रूप से नशे का कारोबार करने वालों के हौसले बुलंद है नगर से लेकर ग्रामीण अंचलों में एजेंट के माध्यम से बड़े-बड़े कारोबारी इस काम को बखूबी अंजाम दे रहे हैं। पहले तो अवैध रूप से नशे का कारोबार शहर में ही होता था अब प्रत्येक गांव में अवैध रूप से नशे के सौदागरों ने अपनी जड़ों को मजबूत करते हुए खुलेआम एजेंट से इस काम को काम को अंजाम दियावाय जा रहा है। इस काम में अधिकांश शराब ठेकेदारी पीछे नहीं है उनके द्वारा भी गांव गांव में अवैध रूप से शराब की सप्लाई करने के लिए एजेंट बैठा रखे हैं जिनके माध्यम से इस काम को जा रहा है। जिन पर पुलिस और आबकारी विभाग भी कार्रवाई नहीं करती है क्योंकि इसके बदले में इनकी भी बड़ी सेवा होती है इस वजह से मैं ठेकेदारों के माध्यम से अवैध रूप से गांव में शराब की सप्लाई करने वालों पर पुलिस और आबकारी विभाग मेहरबान रहता है रहते हैं। ठेकेदार के माध्यम से हर महीने इनकी सेवा करवाई जाती है या फिर बगैर पैसों में कुछ पुलिसकर्मियों को शराब मिल जाती है उसी के बदले में कार्रवाई करने का काम नहीं करते हैं। इसी बात का फायदा उठाकर अवैध रूप से नशे का कारोबार करने वालों का व्यापार फल फूल रहा है। हर गांव में अवैध रूप से नशे का सामान मिलने से दिन भर विवाद की स्थिति निर्मित होती है कई परिवार तो बर्बाद हो रहा है दूसरी ओर युवा पीढ़ी भी नशे में फंसकर अपना भविष्य बर्बाद कर रही है । शहर में पंचकुइया में अलीगंज की पहाड़ी और बाईपास मार्गों पर खुलेआम अवैध रूप से नशे का सामान बेचने का काम किया जाता है

एसडीओपी ने सभी थाना प्रभारी को दिए कार्रवाई के निर्देश

एसडीओपी उमेश कुमार त्रिपाठी ने नगर तथा ग्रामीण क्षेत्रों में संचारित होने वाले सभी थाना प्रभारी को तत्काल अवैध रूप से नशे का कारोबार करने वालों पर कार्रवाई करने के लिए निर्देश दिए इसके संबंध में पत्र भी जारी कर दिया और कहा कि जिनके द्वारा भी कहीं भी अवैध नशे के कारोबार को अंजाम दिया जा रहा है। उन पर कार्रवाई करें और जिनके ऊपर पहले से प्रकरण दर्ज हैं उन पर कठोरता कार्रवाई करें ।अवैध रूप से नशे का कारोबार किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा ।इसके बाद भी कई थाना प्रभारी ने कार्रवाई प्रारंभ नहीं की है।

इनका कहना है -

अवैध रूप से नशे का कारोबार करने वालों पर पहले ही कार्रवाई करने के लिए थाना प्रभारी को निर्देशित दिया गया है। यदि कार्रवाई नहीं कर रहे हैं तो फिर से निर्देश से देखकर करवाई करवाई जाएगी।

उमेश कुमार त्रिपाठी, एसडीओपी सिरोंज

आबकारी विभाग ने तो दी खुली छूट

पुलिस के द्वारा तो कभी कभार कार्रवाई करने के नाम पर औपचारिकता कर दी जाती दूसरी ओर आबकारी विभाग के द्वारा तो नगर से लेकर ग्रामीण अंचलों में मौत के सौदागरों पर किसी भी तरह की कार्रवाई नहीं की जा रही है। इस वजह से इस कारोबार को अवैध रूप से बड़े स्तर पर भी संचारित करने का काम किया जा रहा है । बड़े-बड़े काले कारोबारी इस काम में लगे हुए हैं ।जिनकी जानकारी है पर कार्रवाई के नाम पर सिर्फ दिखावा किया जाता है। वही आबकारी अधिकारी पीएस ठाकुर से बात की तो उन्होंने कहा हमारे द्वारा कार्रवाई की जाती है । शिकायत मिलने पर हम निरंतर कार्रवाई करते हैं कई प्रकरण भी बनाए हैं।

निर्माणाधीन छत गिरने से दो मजदूरों की मौत पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच की प्रारंभ

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

निसाईयां जी की पहाडी के सामने निर्माणाधीन छत गिर जाने से दो न मजदूर की मौत हो गई आरोन रोड स्थित एक स्कूल की छत गिर जाने से उसमे काम कर रहे दो मजदूरो की मौत हो गई । मामले की जानकारी लगते ही सिरोंज पुलिस मौके पर पहुँच गई और एमबुलेंस से दोनो को षासकीय अस्पाताल लाया गया लेकिन दोनो मजदूरों ने दम तौड दिया था डाक्टर ने दोनो को मृत घोषित कर दिया । मृतक रामप्रसाद जाटव आयु 60 वर्ष निवासी ग्राम कांदीखेडी वही दूसरा मृतक षफीक षाह आयु 20 वर्ष निवासी अलीगंज की पहाडी का पोस्टर्मार्टम कर षव को परिजनों को सौप दिया गया है। टीआई संदीप पवार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है हादसा कैसे हुआ इसकी भी जांच की जाएगी ।

एम्बुलेंस पंहुची देर से, अस्पताल में नहीं मिले डाक्टर, डेकेदार फरार

एम्बुलेंस पंहुची देर से

ज्ञात होकि मोके पर मोबाइल से इत्तिला देने के बाद भी एम्बुलेंस बहुत देर से घटनास्थल पर पहुंची अगर समय रहते पहुँच जाती तो इन लोगों को प्राथमिक चिकित्सा मिल सकती थी और यह पहली बार नहीं है अक्सर देखा गया है एम्बुलेंस घटनाओं में देरी से ही पहुँचती है।

अस्पताल में ड्यूटी पर नहीं मिले डाक्टर

सूत्रों के अनुसार मरीजों के जेसे तेसे अस्पताल पहुँचाया गया मगर वहां पहुँच कर पता चला डाक्टर ही ड्यूटी पर नहीं है वहां सिर्फ दो नर्से मिली जिससे मरीजों को उपचार की सुविधा ही नहीं मिल पाई। डेकेदार हुआ मोके से फरार हादसा होते ही डेकेदार मोके घटना स्थल से मदद करने की जगह भाग गया डेकेदार एक दम घटना होते क्यूँ फरार हुआ डेकेदार की इस कार्य षैली पर सवाल खड़ा करता है।

जिला स्तरीय कृषि विज्ञान मेला व सह प्रदर्शनी का आयोजन 20 व 21 को

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

सब मिशन आन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन ''आत्मा'' परियोजना के तहत राज्य मिलेट मिशन योजना अंतर्गत 20 एवं 21 फरवरी को जिला स्तरीय कृषि विज्ञान मेला सह प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विदिशा सांसद श्री रमाकांत भार्गव, विशिष्ट अतिथि कुरवाई श्री हरिसिंह सप्रे, शमशाबाद विधायक श्री सूर्यप्रकाश मीणा, गंजबासौदा विधायक श्री हरिसिंह रघुवंशी, सिरोंज विधायक श्री उमाकांत शर्मा, विदिशा विधायक श्री मुकेश टण्डन, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता कैलाश रघुवंशी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री दरयाब सिंह कुर्मी, नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रीति राकेश शर्मा, विदिशा जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री वीर सिंह रघुवंशी एवं जिला पंचायत की कृषि समिति के सभापति श्री धनराज सिंह दांगी होंगे। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के उप संचालक श्री केएस खपडिया ने बताया कि 20 से 21 फरवरी तक आयोजित होने वाला जिला स्तरीय विज्ञान सह प्रदर्शनी मेला का आयोजन पीएनबी कृषक प्रशिक्षण केन्द्र विवेकानंद चौराहा विदिशा में दोपहर 12 बजे से प्रारंभ होगा।

सब्जी मंडी के व्यापारी है आवारा मवेशियों से सबसे ज्यादा परेशान

आवारा मवेशियों से परेशान बीच सड़क पर डाल रखा है डेरा, नपा नही भेज रही गौशाला

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

नगर में आवारा पशुओं की धमाचैकडी बड गई है मुख्य मार्गो पर आवारा सांड और गायों ने कब्जा कर रखा है वही आवारा मवेषियो का जहां वहा रोडो पर बैठा हुआ देखा जा सकता है। स्थानीय प्रशासन आवारा पषुओ के कारण आम लोगो को आ रही परेषानियों को दूर करने के लिए गंभीर नजर नही आ रही है । नगर मे आवारा पषुओं की तादात पहले से ही काफी अधिक है सबसे अधिक परेशानियां आवारा पषुओ के कारण आ रही है रात के समय मुख्य मार्गो पर बीच रोड पर बैठे आवारा मवेशी हार्न से भी नही हटते है स्वयं उतरकर हटाना पडता है । वही आवारा सांड आये दिन लोगो को घायल कर रहे है वही ठेला चालक आये दिन इन सांडो से परेशान है सब्जी मंडी में दुकानदारो की सब्जी फल को भी आवारा पशु चट कर जाते है जिससे उन्हे नुकसान होता है । यह आवारा पषु सब्जी दुकानो पर उस समय अचानक मुँह मारते है जब दुकानदार या तो ग्राहक को सब्जी तोल रहा होता है यह फिर उसका ध्यान इधर उधर होता है । आवारा पषुओ को गौशाला में रखने के भी पर्याप्त इंतजाम है फिर भी नगर पालिका के जिम्मेदार अधिकारी इन आवारा पशुओ को गौषाला नही भेज रही है जिससे नागरिक काफी परेशान है । वही आवारा कुत्तो ने नगर के लिए परेषानी पैदा कर रखी है कुई कुत्ते तों रात के समय दोपाहिया मोटर सायकल चालको के पीछे पडते हुए देखा गया है घबराकर कई बार मोटर साईकल चालक गिरकर घायल भी हो चुके है मगर प्रषासन इस और बिल्कुल भी ध्यान नही दे रही है जिससे नगर के लोग काफी परेशान है ।

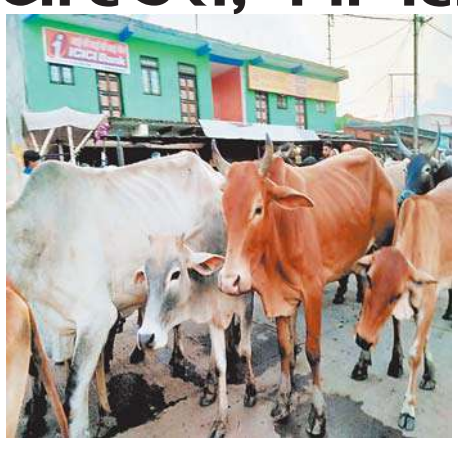

मेट्रो एंकर विद्यासागर जी महाराज ने ली समाधि, जैनसमाजजनों ने कराया मुंडन

गायों को खिलाया घास ,व्यापार महासंघ ने बाजार रखा बंद, समाजजनों ने दी श्रद्धांजलि

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

जैन धर्म के सबसे बडें धर्म गुरू राष्ट्रीय संत आचार्य श्री 108 विद्या सागर जी महाराज का छत्तीगढ के डोंगरगढ़ स्थित चंद्रगिरि तीर्थ में 3 दिनों के उपवास के बाद समाधि मरन के बाद पूरे भारत वर्ष एंव समस्त जैन में शोक की लहर दौड़ गई। छत्तीस मूल गुणो के धारी संत षिरोमणि की समाधि के बाद देष में इन संत को युगो युगो तक याद किया जाएगा। जैसे ही जैनधर्मीयों को यह समाचार प्राप्त हुआ कि आचार्य विद्या सागर जी महाराज का समाधि करण हो गया है तो जैन श्रद्धालुओं को विष्वास नही हुआ। लेकिन यह बात सही है कि आचार्य श्री का स्वास्थ्य काफी समय से ठीक नही चल रहा था। लेकिन कोई भी यह कह नही सकता था कि आचार्य श्री इतने जल्द हम सबसे बीच में से विदा ले लेंगें।

जैन समाज सहित सभी संगठनों ने अपने प्रतिष्ठान रखें बंद – जैसे ही शहर में आचार्य श्री विद्या सागर महाराज की समाधि की जानकारी प्राप्त हुई। तो वही शहर के समस्त दुकानदारों ने अपने प्रतिष्ठान बंद रखें। जिसमें व्यापार महासंघ,वस्त्र व्यापार संघ,किराना व्यापार संघ,इलेक्ट्रनिक व्यापार संघ,ड्रग ऐसोषियन संघ सहित अन्य व्यापारिक संगठनों ने अपने अपने प्रतिष्ठान बंद

रखकर आचार्य श्री को शोक श्रद्धाजंलि अर्पित की।

जैन समाज सिरोंज ने किया विनयांजलि सभा का आयोजन – आचार्य श्री विद्या सागर जी महाराज की समाधि के बाद जैन समाज सिरांज द्वारा कठाली बाजार स्थित चन्द्र प्रभु जिनालय जैन मंदिर में विनयांजलि सभा का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य रूप से श्री बंसत महाराज मौजूद रहें। इस अवसर पर शहर के विभिन्न सामाजिक संगठनों,व्यापारिक संगठन,राजनैतिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने आचार्य श्री को श्रद्धाजंलि दी। इस मौके कार्यक्रम में व्यापार महासंघ के अध्यक्ष पदम ताम्रकार,वस्त व्यापार संघ के अध्यक्ष अर्पित मित्तल,अनार तिलहन व्यापार संघ से राजेष मित्तल,पत्रकार राजेष पटेल,पार्षद रूपेष यादव,ओम सोनी,जैन समाज के पूर्व अध्यक्ष ब्रदीचंद्र जैन,सुनील गुरधानी,डॉ राजीव जैन बन्टी,उपाध्यक्ष नितिन जैन ठेकेदार,अरविन्द्र जैन विदिषा,पारस तारण, संतोष तारण,स्वतंत्र तारण ने कार्यक्रम को संबोधित किया।

मध्यप्रदेष व छत्तीसगढ सरकार ने किया राजकीय शोक घोषित – आचार्य श्री विद्या सागर जी महाराज की समाधि के बाद छत्तीसगढ सरकार ने राजकीय शोक घोषित किया। तो वही मध्यप्रदेष सरकार ने भी पूरे प्रदेष में आधे दिन का राज्यकिय शोक घोषित किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दी आचार्य श्री को श्रद्धांजलि - दिल्ली में चल रहें भाजपा के राष्ट्रीय महा अधिवेषन में कार्यक्रम प्रांरभ होने से पूर्व कार्यक्रम में उपस्थित देष के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी,भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नडडा सहित देष के केन्द्रीय मंत्रियों ने कार्यक्रम के दौरान आचार्य श्री विद्या सागर जी महाराज को श्रद्धांजलि देकर शोक व्यतीत किया।

युवाओं ने कराया मुंडन संस्कार – आचार्य श्री विद्या सागर जी महाराज की समाधि मरन के बाद जैन मंदिर में आयोजित विनयांजलि के पूर्व जैन समाज के लगभग एक दर्जन युवाओं ने अपना मुंडन संस्कार कराया।

प्रीमियर लीग लीडर टूर्नामेंट
लिवरपूल को पांच अंक की बढ़त

वापसी पर सालाह के गोल से लिवरपूल ने ब्रेंट फोर्ड को 4-1 से हरा दिया

नईदिल्ली, एजेंसी

मोहम्मद वसीयत ने लिवरपूल की शानदार वापसी के लिए और प्रीमियर लीग लीडर ने ब्रेंटफोर्ड को 4-1 से हरा दिया। अफ्रीका कप ऑफ नेशंस में हैमस्ट्रिंग चोट लगने के बाद सलाह एक महीने के लिए बाहर हो गए थे। वह जीटेक कम्युनिटी स्टेडियम में हाफ टाइम से ठीक पहले एक विकल्प के रूप में आए और 68वें मिनट में सीजन का अपना 19वां गोल किया। उस समय लिवरपूल पहले ही 2-0 से आगे था, जब डार्विन नुनेज़ ने 35वें स्कोरिंग की शुरुआत की और एलेक्सिस मैक एलिस्टर ने एक और गोल करने की सलाह दी। इवान टोनी ने ब्रेंटफोर्ड के लिए 75 वें में एक गोल किया, जो कि सट्टेबाजी के ब्रेक के लिए आठ महीने के प्रतिबंध के बाद पांच मैचों में चौथी बार स्कोर किया, लेकिन स्थानापन्न कोडी गाकपो ने 86 वें में लिवरपूल के लिए 4-1 से जीत हासिल कर दी, जिससे स्कोर में बढ़त के साथ बढ़त पांच अंक तक बढ़ गई। दूसरे स्थान पर रहे मैनचेस्टर सिटी और तीसरे स्थान पर रहे आर्सेनल को शनिवार को बाद में खेलना था। डिफेंडिंग चैंपियन सिटी चेल्सी से खेल रही थी और पिछले सीजन का उपविजेता आर्सेनल बर्नले में था।

टेस्ट क्रिकेट की एक पारी में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड

यशस्वी ने बनाया रिकॉर्ड, बन गए भारत के 'सिक्सर किंग'

राजकोट, एजेंसी

यशस्वी जायसवाल ने बतौर भारतीय खिलाड़ी टेस्ट क्रिकेट की एक पारी में सबसे ज़्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है. उन्होंने नवजोत सिंह सिद्धू और मयंक अग्रवाल को पछाड़ दिया. जायसवाल ने एक पारी में 10 छक्के पूरे कर लिए हैं. जबकि, नवजोत सिंह सिद्धू और मयंक अग्रवाल के नाम 8-8 छक्के लगाने का रिकॉर्ड था। सिद्धू ने 1994 में श्रीलंका के खिलाफ लखनऊ में खेले गए मुकाबले में 8 छक्के जड़े थे. इसके बाद मयंक अग्रवाल ने 2019 में बांग्लादेश के खिलाफ इंदौर में खेले गए टेस्ट की एक पारी में बैटिंग करते हुए 8 छक्के लगाए थे। इंग्लैंड के खिलाफ खेली जा रही टेस्ट सीरीज़ में जायसवाल का बल्ला जमकर बोल रहा है. सीरीज में जायसवाल ने 20 छक्के पूरे कर लिए हैं, जिसके साथ वो टेस्ट सीरीज में सबसे ज़्यादा छक्के लगाने वाले बैटर बन गए। इससे पहले विशाखापटनम में खेले गए दूसरे टेस्ट में जायसवाल ने 209 रनों की शानदार पारी खेली थी. मुकाबले में भारत की पहली पारी के दौरान जायसवाल के बैट से ये शानदार पारी निकली थी। वहीं हैदराबाद में पहले टेस्ट में भी जायसवाल ने शानदार फॉर्म का मुज़ाहिरा पेश किया था।

भारत ने रचा इतिहास, सीरीज में 2-1 की बढ़त

इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट की सीरीज का तीसरा मुकाबला भारत ने 434 रन से जीत लिया है। इसी के साथ टीम इंडिया ने सीरीज में 2-1 की बढ़त हासिल कर ली है। राजकोट में खेले गए मुकाबले की पहली पारी में भारतीय टीम ने 445 रन बनाए। इंग्लैंड की टीम पहली पारी में 319 रन बना सकी। भारत को 126 रन की लीड मिली। दूसरी पारी में भारत ने 430 रन बनाकर पारी घोषित कर दी और बेन स्टोक्स की टीम को 557 रन का लक्ष्य थमाया। इसका पीछा करने उतरी इंग्लैंड की टीम 122 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। राजकोट में खेले गए टेस्ट मुकाबले में भारत ने सबसे बड़ी जीत दर्ज की है। इससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ 2021 में खेले गए मैच में भारत ने 372 रन से जीत दर्ज की थी। वहीं, 2015 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत ने 337 रन से मुकाबला अपने नाम किया था। 2008 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत ने मोहाली में 320 रन से जीत दर्ज की थी। तीसरे टेस्ट में इंग्लैंड को 434 रन से शिकस्त मिली। बेन स्टोक्स की अगुवाई वाली टीम की ये दूसरी सबसे बड़ी हार है। 1934 में ऑस्ट्रेलिया ने 562 रन से इंग्लैंड को हराया था। 1934 में खेले गए इस मुकाबले में इंग्लैंड की ये अब तक की सबसे बड़ी हार है। इंग्लैंड की तीसरी बड़ी हार वेस्टइंडीज के खिलाफ थी। 1976 में मैनेचेस्टर में खेले गए मुकाबले में इंग्लिश टीम को 425 रन से शिकस्त मिली थी। 1948 में ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को 409 रन से हराया था। वहीं, 2015 में ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को एक बार फिर 405 रन से हराया। ये इंग्लैंड की पांचवीं सबसे बड़ी हार थी।

'बैजबॉल' कर गया बैकफायर

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट और विकेट कीपर बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो का बल्ला इस सीरीज में अबतक पूरी तरह से शांत है। इसकी बड़ी वजह 'बैजबॉल' है। ये खिलाड़ी जब नैचुरल क्रिकेट खेलते हैं तो जमकर रन बनाते हैं। लेकिन इस सीरीज में तेजी से रन बनाने की कोशिश में दोनों सुपरफ्लॉप रहे हैं। इस मैच में दोनों टीम ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए दिखाई दे रही हैं। ऐसा लग रहा है इंग्लैंड की 'बैजबॉल' रणनीति अब भारत ने भी अपना ली है। लेकिन इस सीरीज में इंग्लैंड के दो खिलाड़ी ऐसे भी हैं जो टेस्ट के दिग्गज माने जाते हैं, लेकिन इस सीरीज में 'बैजबॉल' उनपर बैकफायर कर गया है। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट और विकेट कीपर बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो का बल्ला इस सीरीज में अबतक पूरी तरह से शांत है। इसकी बड़ी वजह 'बैजबॉल' है। बेयरस्टो ने अब तक 3 टेस्ट मैच की 5 पारड़ियों में महज 98 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका औसत मात्र 19.6 का रहा है। बेयरस्टो का स्ट्राइक रेट भी कुछ खास नहीं रहा है। उन्होंने ये रन 60.86 के स्ट्राइक रेट से बनाए हैं। वहीं उनका सर्वाधिक स्कोर 37 रन रहा है।

न्यूजीलैंड टेस्ट टीम का ऐलान

विलियमसन और साउदी अपना 100वां टेस्ट खेलेंगे पहला मुकाबला 29 से

नईदिल्ली, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले जाने वाले दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम का ऐलान हो गया है। सीरीज का पहला मैच 29 फरवरी से वेलिंग्टन में खेला जाएगा। दूसरा मैच 8 मार्च से खेला जाएगा, जो केन विलियमसन और कप्तान टिम साउदी के करियर का 100वां टेस्ट होगा। ऑस्ट्रेलिया टीम 21 फरवरी से न्यूजीलैंड दौरे पर रहेगी। टीम यहां 3 टी-20 और 2 टेस्ट खेलेगी।

पिछले साल ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ शानदार ऑल राउंडकर प्रदर्शन और प्लंकेट शील्ड में 22 विकेट लेने वाले स्कॉट कुगलेन को मौका मिला है। विलियम ओ रूर्के भी टीम का हिस्सा हैं, जिन्होंने हाल ही में साउथ अफ्रीका के खिलाफ हेमिल्टन में टेस्ट डेब्यू पर 9 विकेट लिए थे।

टी-20 सीरीज के लिए भी टीम में बदलाव हुए

टी-20 सीरीज के लिए भी न्यूजीलैंड टीम में बदलाव हुए हैं। मैट हैनरी और टिम सेफर्ट चोट के कारण सीरीज से बाहर हो गए हैं, उनकी जगह बेन सियर्स और विल यंग टीम में आए हैं।

टेस्ट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम

टिम साउदी (कप्तान), टॉम ब्लंडेल (विकेटकीपर), मैट हेनरी, स्कॉट कुगलेन, टॉम लैथम, डेरिल मिचेल, विलियम ओ रूर्क, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, मिचेल सैंटनर, नील वैगनर, केन विलियमसन, विल यंग।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम: मिचेल सेंटनर (कप्तान), फिन एलन, ट्रेंट बोल्ट (दूसरा और तीसरा मैच), मार्क चापमैन, जोश क्लार्कसन, डेवोन कॉन्वे, लॉकी फर्ग्यूसन, एडम मिल्ने, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, बेन सीयर्स, ईश सोढ़ी, टिम साउथी (पहला मैच), विल यंग।

मेट्रो बाजार

निर्यात पर पाबंदियां कम, पड़ोसी देशों को प्याज खिलाएगा भारत

नईदिल्ली, एजेंसी

बीते दिनों देश में प्याज की कीमतें आसमान पर पहुंच गई थीं. उसके बाद सरकार ने प्याज के निर्यात पर कई तरह की पाबंदियां लगा दी थी। घरेलू बाजार में उपलब्धता सुधरने और कीमतों में नरमी आने के बाद सरकार धीरे-धीरे प्याज के निर्यात पर लगी पाबंदियां कम करने लगी है. सरकार ने कुछ पड़ोसी देशों को प्याज निर्यात करने के लिए बीते दिनों लगाई गई पाबंदियां आसान की है. इस कदम से पड़ोसी देशों में प्याज की कीमतों में नरमी आने की उम्मीद है. एक रिपोर्ट के अनुसार, अभी सरकार ने पड़ोसी देशों बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल और भूटान को प्याज निर्यात करने की मंजूरी दी है. इनके अलावा कुछ अन्य देशों को भी प्याज का निर्यात करने की छूट मिली है, जिनमें मॉरीशस और बहरीन आदि शामिल हैं. सरकार ने अभी प्याज के निर्यात पर लगी पाबंदियों में सीमित छूट दी है. ये फैसला गवर्नमेंट टू गवर्नमेंट बेसिस पर और द्विपक्षीय संबंधों के मद्देनजर लिया गया है. भारत ने घरेलू बाजार में आपूर्ति कम होने और कीमतें आसमान पर पहुंच जाने के बाद प्याज के निर्यात पर पिछले साल पाबंदियां लगा दी थी. प्याज के निर्यात पर दिसंबर 2023 से मार्च 2024 के लिए पाबंदियां लगाई गई थीं. इससे घरेलू बाजार में प्याज की कीमतों को कम करने में मदद मिली है, जिससे महंगाई कम हुई है और आम लोगों के किचन के बजट को काबू किया जा सका है. हालांकि भारत के इस फैसले से दुनिया के कई देशों में प्याज की उपलब्धता का संकट पैदा हो गया है. प्याज का इस्तेमाल दुनिया भर के लोग रसोई में करते हैं. प्याज के व्यापक इस्तेमाल ने ही इसे पूरी दुनिया में इसेंशियल किचन स्टेपल बना दिया है. प्याज की कीमतों में घट-बढ़ से महंगाई के आंकड़ों पर तत्काल असर पड़ता है और आम लोग तुरंत प्रभावित होने लगते हैं. भारत दुनिया में प्याज का दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक देश है. कई देश प्याज की घरेलू जरूरतों की पूर्ति के लिए भारत की आपूर्ति पर निर्भर हैं. घरेलू बाजार में पिछले साल प्याज की कीमतों में तेजी आने लगी थी. उसके बाद सबसे पहले वित्त मंत्रालय ने प्याज के निर्यात पर 40 फीसदी एक्सपोर्ट ड्यूटी लगा दी थी।

शेयर बाजार में रौनक, सेंसेक्स 200 अंक चढ़कर 72600 के पार, निफ्टी 22100 के ऊपर खुला

मुंबई, एजेंसी

घरेलू शेयर बाजार को ग्लोबल बाजारों से सपोर्ट मिल रहा है और ये शानदार तेजी के साथ खुले हैं. भारतीय शेयर बाजार के लिए नए कारोबारी हफ्ते की शुरुआत अच्छी तेजी के साथ हुई है. आईटी शेयरों में थोड़ा दबाव है पर बैंक शेयरों में बढ़त बना हुई है. फाइनेंशियल शेयरों में भी अच्छी उछालमार्क बनी हुई है. बीएसई का सेंसेक्स 200.96 अंक या 0.28 फीसदी चढ़कर 72,627 के लेवल पर खुला है।

एनएसई का निफ्टी 62.75 अंक या 0.28 फीसदी की तेजी के साथ 22,103 के लेवल पर ट्रेड ओपन हुआ।

पेटीएम के शेयर में लगा अपर सर्किट

पेटीएम के शेयर में आज अपर सर्किट लगा है और इसके लिए पहले से ही अनुमान दिया गया था. पेटीएम में 17.05 रुपये या 5 फीसदी की उछाल के साथ 358.35 रुपये पर है और मार्केट ओपनिंग के साथ ही ये चढ़ गया है।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

ईशा ने शादीशुदा होते हुए लिए थे दोबारा फेरे, पति ने किया था सपोर्ट

बॉलीवुड एक्ट्रेस ईशा देओल और भरत तख्तानी का तलाक हो चुका है। कपल ने मिलकर ये फैसला किया था। इसके बाद से ही ईशा देओल के फैंस दुखी हैं। ईशा-भरत को बॉलीवुड का ये मोस्ट लवेबल कपल कहा जाता था, इनके बारे में कोई नहीं कह सकता था कि ये अलग होंगे। इनके जुदा होने की खबरें तभी आने लगी थीं, जब वेटरन एक्ट्रेस हेमा मालिनी के 75वें बर्थडे पर भरत तख्तानी शामिल नहीं हुए थे। खैर आज हम आपको ईशा देओल से जुड़ा वो किस्सा बताएंगे जब शादीशुदा होते हुए भी उन्होंने शादी कर ली थी।

ईशा की दोबारा शादी की गई

बात उन दिनों की है जब बॉलीवुड एक्ट्रेस ईशा देओल प्रेग्नेंट थीं। तब भरत तख्तानी और उनका रिश्ता बहुत मजबूत हो गया था। उस दौरान उन्हें मूड स्विंग होते थे, तो भरत उनको पूरा सपोर्ट करते थे। जो वो कहती वही होता था। इसलिए ईशा की दोबारा शादी करने की बात भी मान ली उनके पति ने।

ईशा की गोदभराई के बाद हुई थी शादी

2007 में ईशा देओल की गोदभराई के बाद सिंधी रीति-रिवाज से भरत और ईशा की दोबारा शादी हुई। इसके लिए दो पुजारी बुलाए गए थे। ताकि जो भी रस्में निभाई जा रही हैं सभी रिश्तेदारों को समझ आ सके। ईशा ने खुद एक इंटरव्यू में ये बात कही थी। तब उन्होंने कहा था कि उनका रिश्ता तब और भी मजबूत हो गया था। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि 6 फरवरी को अचानक इस कपल ने तलाक लेने की बात कर सबको चौंका दिया था। इस न्यूज के बाद से ही ईशा देओल अपनी मां के घर पर रही रही हैं।

ईशा ने तलाक से पहले की है बात

वेटरन बॉलीवुड एक्टर धर्मेंद्र और हेमा मालिनी की बेटी ईशा देओल का तलाक हो चुका है। ईशा देओल ने भी मीडिया को ये जानकारी दी थी कि उन्होंने अपने पति भरत तख्तानी ने मिलकर तलाक लेने का फैसला किया था। फिलहाल दोनों अलग-अलग रह रहे हैं। मगर अभी भी उनके फैंस को नहीं लग रहा है कि बॉलीवुड का ये मोस्ट लवेबल कपल अलग हो सकता है। एक दशक तक चले इनके रिश्ते को देख यही लगता था ये दोनों एक दूसरे के लिए ही बने हैं। इस बीच ईशा देओल एक पुराना इंटरव्यू भी सोशल मीडिया पर छाया है जिसमें ईशा अपने पति को कहती दिख रही हैं कि वो उनकी आंखें निकाल लेंगी।

आमिर खान को नहीं थी बेटी की बीमारी की जानकारी, सुहानी की मां ने किया खुलासा

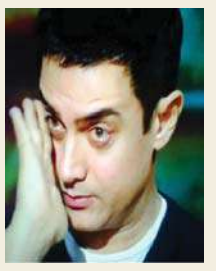

आमिर खान की फिल्म 'दंगल' में बबीता फोगाट के बचपन का किरदार निभाने वाली सुहानी भटनागर का शनिवार को 19 साल की उम्र में निधन हो गया। सुहानी सेक्टर 17, फरीदाबाद में रहती थीं और उनका अंतिम संस्कार फरीदाबाद के सेक्टर 15 के अजरौंदा श्मशान घाट में किया गया। सुहानी का निधन दिल्ली के एम्स में निधन हुआ। बताया गया है कि दो माह पहले सुहानी के हाथ में सूजन आ गई थी और शरीर पर लाल चकत्ते पड़ने लगे थे। वहीं अभिनेत्री की मौत पर तमाम सितारों ने शोक जताया। वहीं अब सुहानी की मां ने खुलासा किया कि वे आमिर खान के बेहद करीब थे, लेकिन उन्होंने सुहानी की बीमारी की जानकारी आमिर खान को नहीं दी थी। सुहानी की मां पूजा भटनागर ने हाल ही में दिए साक्षात्कार में कहा कि आमिर सर हमेशा उसके संपर्क में रहे हैं। वे एक अच्छे इंसान हैं। हमने यह बात उनसे कभी साझा नहीं की। हमने वास्तव में किसी को सूचित नहीं किया। निश्चित रूप से अगर हमने आमिर खान को मैसेज किया होता तो वे तुरंत हमारे लिए वहां मौजूद रहते। दरअसल, बेटी की शादी के दौरान भी उन्होंने आमंत्रित किया था। उन्होंने व्यक्तिगत रूप से हमें अपना हिस्सा बनने के लिए बुलाया था। हालांकि, सुहानी की तबीयत के कारण हम शादी का हिस्सा नहीं बन पाए। सुहानी की मां बताया कि बेटी ने महज 10 साल की उम्र में दंगल फिल्म की थी। इसके बाद से लोग उसे दंगल गर्ल के नाम से जाने लगे थे। उन्हें शुरू से मॉडलिंग और एक्टिंग करने का शौक था। इस वजह से बेटी को दिल्ली में इंटरव्यू के लिए बुलाया गया, जहां पर 1000 बच्चों में से सुहानी के साथ-साथ एक और बच्ची का चयन फिल्म के लिए हुआ।

बॉलीवुड में वापसी को तैयार है निधि अग्रवाल जल्द करेंगी ओटीटी डेब्यू

अभिनेत्री निधि अग्रवाल एक बार फिर से हिंदी सिनेमा में नजर आने वाली हैं। निधि साल 2017 में टाइगर श्रॉफ और नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ मुन्ना माइकल से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। हालांकि, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास सफलता नहीं दिखा सकी। इसके बाद निधि ने साउथ सिनेमा का रूख कर लिया। साउथ में निधि ने कई सफल फिल्मों में काम किया। अब एक बार फिर निधि हिंदी सिनेमा में एक नए मौके के साथ वापसी को तैयार हैं। गौरतलब है कि निधि इस बार बड़े पर्दे पर नहीं बल्कि ओटीटी पर नजर आएंगी। निर्माता प्रेरणा अरोड़ा की 'अकीडो: ए रिवेंज ड्रामा' से निधि अपना ओटीटी डेब्यू भी करने जा रही हैं। इस फिल्म का निर्देशन अभिषेक जयसवाल ने किया है। हिंदी सिनेमा में वापसी को लेकर निधि ने एक साक्षात्कार में कहा, मैं इतनी अच्छी स्क्रिप्ट को मना नहीं कर सकी। यह एक ऐसी फिल्म है, जिसे मैं खुद देखना पसंद करती हूं। ऐसे में जब प्रेरणा ने मुझे इस फिल्म के लिए फोन किया तो मैंने तुरंत कहा हां कह दिया। हिंदी सिनेमा में अपनी वापसी को लेकर निधि ने कहा, मैं एक ऐसी स्क्रिप्ट का इंतजार कर रही थी, जो मुझे पसंद आए। यह चीज मुझे प्रेरणा की फिल्म में मिली। निधि ने आगे कहा, वर्तमान में मैं तीन तेलुगु, तमिल और हिंदी तीनों इंडस्ट्री में काम कर रही हूं।

मां के शव का अपमान करने वाले बेटे पर मामला दर्ज

आरोपी ने कहा- क्रियाकर्म के लिए उसके पास पैसा नहीं था

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मां के शव का अपमान करने पर गुनगा पुलिस ने बेटे के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक, बिल्लौद गांव निवासी जग्गा उर्फ जगदीश गांव में ही झोपड़ी में रहता है। उसने पुलिस को बताया कि 13 फरवरी की रात करीब 11 बजे उसकी 80 साल की मां तुलसा बाई की मौत हो गई। इसके करीब 1 घंटे बाद जग्गा मां के शव को चुपचाप झोपड़ी से निकालकर घर से करीब 300 मीटर दूर मैदान में ले गया। वन विभाग की तरफ से खोद गड्ढे में मां को दफना दिया। शव के ऊपर से घांस-मिट्टी, पत्थर डालकर ढक दिया। इसके बाद सुबह जब उसके परिवार के सदस्यों ने तुलसा बाई के बारे में पूछा तो बताया कि मां भांजे के घर गई हुई है। जग्गा की खुराफाती दिमाग से वाकिफ परिवार के सदस्यों को शक हुआ। इसी बीच जग्गा गायब हो गया। इससे शक और बढ़ गया। परिवार के सदस्य थाने पहुंच गए। पुलिस ने जग्गा को आस-पास के गांव में तलाशा लेकिन, पता नहीं चला। दोपहर में पुलिस की टीम को वह बिल्लौद के जंगल में छिपा मिला। पुलिस उसे लेकर आई। उसकी निशानदेही पर शव निकाला। पुलिस की जांच में सामने आया कि जग्गा ने मां के शव का अपमान किया है। इस पर उसके खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया। हालांकि, जग्गा ने पुलिस को यह भी बताया था कि क्रियाकर्म के लिए उसके पास पैसा नहीं था। समाज में बदनामी होती इसलिए उसने चुपके से मां के शव को दफना दिया। मां की मौत की भी जानकारी उसने किसी को नहीं दी।

जहरीला पदार्थ पीकर युवक ने दी जान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

शाहजहांनाबाद थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति ने जहरीला पदार्थ खा लिया। उल्टियां करने पर परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार समीर उल्ला खान (55) कुम्हारपुरा, शाहजहांनाबाद में रहते थे और प्राइवेट काम करते थे। कुछ समय से उनका मानसिक संतुलन बिगड़ गया था और उन्होंने काम छोड़ दिया था और घर में ही रहने लगे थे। परिजन ने बताया कि शनिवार सुबह उन्होंने कोई जहरीला पदार्थ खा लिया। वे उल्टियां कर रहे थे। परिजन उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां इलाज के दौरान कल रात उनकी मौत हो गई। पुलिस मरने से पूर्व उनके बयान दर्ज कर चुकी थी। बयान में उन्होंने बताया कि अपनी मर्जी से जहरीला पदार्थ खाया था।

रंजिश में नाबालिग पर चाकू से जानलेवा हमला

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अशोका गार्डन थाना क्षेत्र स्थित सेमरा में कल सुबह दो नाबालिगों के बीच पुरानी रंजिश को लेकर विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर एक नाबालिग ने दूसरे नाबालिग पर चाकू से हमला कर दिया। चाकू नाबालिग को कमर के पास लगा है। पुलिस ने नाबालिग की शिकायत पर बालअपचारी पर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार जितेंद्र केवट ('17) सेमरा कला, अशोका गार्डन में रहता है और बारहवीं कक्षा में पढ़ता है। उसके साथ पढ़ने वाले प्रिंस से उसकी पुरानी रंजिश है। रंजिश के चलते जितेंद्र और प्रिंस का महेश किराना स्टोर के पास कल सुबह करीब 11 बजे के आसपास विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर प्रिंस ने जितेंद्र पर चाकू से हमला कर दिया। चाकू जितेंद्र को कमर के पास लगा है और उसे गंभीर चोट आई है। उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है।

युवक पर छुरी से जानलेवा हमला

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ऐशबाग थाना क्षेत्र स्थित बाग फरहत अफ्जा में कल रात एक बदमाश ने युवक पर छुरी से हमला कर दिया। हमले की वजह पुरानी रंजिश बताई जा रही है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार 27 साल के फैजल कुरैशी, बाग फरहत अफ्जा ऐशबाग में रहते हैं और प्राइवेट काम करते हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि वे कल रात अपने घर के पास खड़े थे, तभी मोहम्मद अरशद उनके पास आया और पुरानी बात को लेकर विवाद करने लगा। मोहम्मद अरशद विवाद में गालियां दे रहा था और फैजल ने उसे गाली देने से मना किया। इस पर आरोपी मोहम्मद अरशद भड़क गया और फैजल पर छुरी से हमला कर दिया। छुरी लगने से फैजल को गंभीर चोट आई है। उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने फैजल की शिकायत पर आरोपी मोहम्मद अरशद पर प्रकरण दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

जेके रोड पर हुआ था हादसा, बैतूल से शादी में शामिल होने आए थे बालाजी नगर

ट्रक में घुसा ऑटो, महिला के बाद एक और घायल की इलाज के दौरान मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अशोका गार्डन थाना क्षेत्र स्थित जेके रोड पर गत 6 फरसरी की तड़के पौने तीन बजे के आसपास तेज रफ्तार सवारी आटो सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से जा घुसा था। इस हादसे में एक महिला की मौत हो गई थी, जबकि ड्राइवर समेत सात लोग घायल हुए थे। घायल हुए एक अन्य व्यक्ति की इलाज के दौरान निजी अस्पताल में कल रविवार को मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है।

पुलिस के अनुसार सरिता मुडौले पति माखन मुडौले (31) आठनेर, जिला बैतूल की रहने वाली थी। बालाजी नगर भोपाल में वह शादी में शामिल होने परिवार के साथ भोपाल आई थी। सोमवार मंगलवार की दरमियानी रात परिवार भोपाल रेलवे स्टेशन पर उतरा और वहां से बालाजी नगर जाने के लिए सवार आटो बुक किया था। सवारी आटो चालक उन्हें प्रभात चौराहा होते हुए जेके रोड पर ले गया। मिनाल पहुंचने से पूर्व ही पीतांबरा मंदिर के पास सड़क पर खड़े ट्रक में आटो पीछे से जा घुसा था। हादसे में आटो ड्राइवर समेत आठ लोगों को चोट आई थी। सभी को अस्पताल ले जाया गया, वहां डॉक्टर ने आरती को मृत घोषित कर दिया था, जबकि बाकि घायलों का इलाज चल रहा था। इलाज के दौरान घायल शुभदयाल नागले पिता पूरन सिंह नागले (48) निवासी आठनेर, जिला बैतूल की मौत हो गई। बाकि घायलों की स्थिति में सुधार है।

ऑल्टो कार की टक्कर से बाइक सवार की मौत

ईंटखेड़ी थाना क्षेत्र स्थित आरोग्य निधि अस्पताल के पास शनिवार-रविवार की दरमियानी रात आल्टो कार ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। आमने सामने की टक्कर में बाइक सवार युवक को गंभीर चोट आई थी। उसे पास ही स्थित आरोग्य निधि अस्पताल में भर्ती कराया गया, वहां कुछ देर चले इलाज के बाद उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन का सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार शशांक तिवारी पिता अशोक तिवारी (31) करोंद, थाना निशातपुरा में रहता था और प्राइवेट काम करता था। शनिवार-रविवार की दरमियानी रात वह ईंटखेड़ी से अपने घर करोंद लौट रहा था। बाइक पर वह अकेला था और आरोग्ध निधि अस्पताल के पहुंचते ही भोपाल से ईंटखेड़ी की तरफ जा रही आल्टो कार के चालक ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से उसे गंभीर चोट आई थी और उसकी अस्पताल में मौत हो गई।

चोर गिरोह का पर्दाफाश

चोरी करने फ्लाइट से आता था शातिर बदमाश, पॉश इलाकों में करता था वारदात

भोपाल, दोपहर मेट्रो

गांधीनगर पुलिस ने गिरोह के सरगना सहित आरोपितों को किया गिरफ्तार। जेल में रहने के दौरान बना ली थी गैंग। आरोपितों के कब्जे से लगभग 7 लाख का माल बरामद। राजधानी में गांधीनगर इलाके की पाश कालोनी में चोरी करने वाले एक गिरोह के लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सरगना मोहम्मद नियाज बेंगलुरु के शिवाजी नगर का रहने वाला है। वह कुछ समय पहले तक भोपाल सेंट्रल जेल में ही बंद था। तब उसने जेल के अंदर ही उसने कुछ बदमाशों के साथ मिलकर एक गैंग बना ली थी। वह बेंगलुरु से फ्लाइट का महंगा टिकट लेकर भोपाल आता था और अपने साथियों के साथ मिलकर गांधीनगर, लालघाटी इलाके की पाश कालोनी में चोरी की घटनाओं को अंजाम देता था। माल का बंटवारा करने के बाद वह फ्लाइट से ही वापस लौट जाता था। खास बात यह है कि ये लोग चोरी करने के लिए चुराए गए वाहन का इस्तेमाल करते थे। इतना ही नहीं, ये वारदात करने के दौरान मोबाइल का इस्तेमाल नहीं करते थे। ये सभी आरोपित पूर्व में भी चोरी के अपराधों में लंबे समय तक जेल में रह चुके हैं। मोबाइल टावर की लोकेशन के आधार पर गांधीनगर थाना पुलिस ने सीहोर के आष्टा से एक आरोपित गिरफ्तार किया था। उससे पूछताछ के बाद पूरे गिरोह का भंडाफोड़ हो गया।

लाखों का माल बरामद: पकड़े गए आरोपितों से गांधीनगर पुलिस ने लगभग सात लाख का माल बरामद किया है इनमें बाइक, मोपेड, सोने चांदी के जेवर, लैपटाप, महंगी घड़ी एवं नकद राशि शामिल है। बेंगलुरु का रहने वाला मोहम्मद नियाज इस गैंग का मास्टरमाइंड निकला। उसने जेल में रहने के दौरान कोहेफिजा में रहने वाले राजू खत्री और आष्टा, सीहोर के रहने वाले आबिद खान से दोस्ती कर ली थी। जेल से छूटने के बाद तीनों ने सिलसिलेवार चोरी की वारदातों करना शुरू कर दी थीं।

महिला से घर में घुसकर छेड़छाड़, जातिगत अपमान का भी आरोप

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित एक कस्बे में महिला से घर में घुसकर छेड़छाड़ करने और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। महिला ने आरोपी का विरोध किया तो आरोपी ने उसे जाति सूचक शब्द भी कहे हैं। पुलिस ने महिला की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ घर में घुसने, छेड़छाड़, जान से मारने की धमकी और एट्रोसिटी एक्ट की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार 27 साल की बैरसिया के एक कस्बे में रहती है। उसने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि पड़ोस में रहने वाला नरेश ठाकुर परिजन की गैरमौजूदगी में उसके घर घुस गया था। घटना गत 16 फरवरी की रात करीब साढ़े दस बजे की है। घर में घुसने के बाद आरोपी ने महिला के साथ अश्लील हरकत की। महिला ने विरोध किया तो आरोपी ने जान से मारने की धमकी देते हुए जाति सूचक शब्द भी कहे हैं।

मेट्रो एंकर | **गांधी मेडिकल कॉलेज में किया देहदान**

बेटे ने पूरी की मां की अंतिम इच्छा, किया नेत्रदान और देहदान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बेटे ने मां की मृत्यु के बाद उनकी अंतिम इच्छा और देहदान और नेत्रदान कर पूरी कर दी। दरअसल, मां की इच्छा थी कि मृत्यु के बाद उनका देहदान किया जाए।

जानकारी के अनुसार ममता सिंघई का शनिवार रात्रि को 61 वर्ष की उम्र में देहांत हो गया। जिसके बाद उनके पुत्र शशांक सिंघई ने किरण फाउंडेशन के माध्यम से माता जी का नेत्रदान गांधी मेडिकल कॉलेज में किया और देहदान एम्स भोपाल में किया। शशांक सिंघई ने बताया कि उनकी माता प्रकृति से बहुत प्रेम रखती थी माता की अंतिम इच्छा थी कि उनके देहांत के बाद भी इस खूबसूरत प्रकृति को कोई और भी देख सकें इसलिए माता की नेत्रदान करने की इच्छा थी और देह मेडिकल कॉलेज में रिसर्च हेतु उपयोग में आ जाए।नेत्रदान देहदान का कार्य किरण फाउंडेशन सचिव डॉक्टर राकेश भार्गव जी के माध्यम से संपन्न हुआ।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022